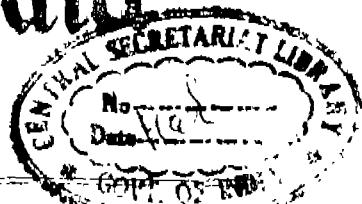




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 11] तदे दिनो, अविवार, मार्च 16, 1996/फाल्गुन 26, 1917

No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 16, 1996/PHALGUNA 26, 1917

इस भाग में विभिन्न वृक्ष संस्थाएँ की जाती हैं जिससे इक वृक्ष विवरण संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आवेदन ग्रीन अधिसूचनाएँ

Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, कार्य और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नं. २८ दिनी, २० फरवरी, १९९६

का. शा. ७२४.—नोटरीज नियम, १९५६ के नियम ६ के अनुसरण में सशम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति ललिता बजाज, प्रॉफेसर ने उन प्राधिकारी को उन नियम के नियम ४ के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राष्ट्रीय राजधानी विली के नई दिल्ली, धेनू में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप मिशन पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस सूचना के प्रकाशन के चारों दिन के भीतर निश्चित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ ५(५७)/९६-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, सशम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE &
COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 724.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Lalita Bajaj, Advocate for appointment as a Notary to practice in New Delhi i.e. NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (57)96-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority.

गृह संवादी

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

का. आ. 725 :—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकरण एवं पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा पंजाब सरकार के राजस्व एवं पुनर्वास विभाग में आपर मन्त्रिवाल (राजस्व) अथवा संयुक्त मन्त्रिवाल (राजस्व), जैसा भी मामला हो, को अपर मन्त्रिवाल (राजस्व) अथवा संयुक्त मन्त्रिवाल (राजस्व) जैसा भी मामला हो, अपने स्वयं के कर्तव्यों के अतिरिक्त उक्त अधिनियम के द्वारा अधिकार उसके अन्तर्गत क्षतिपूर्ति पून के भाग के तौर पर मकानों, पशु शैडों तथा रिक्त स्थलों महिन किसी ग्रामीण थेव में कृषि भूमि तथा दुकानों के संबंध में एक संयुक्त मुख्य बंदोबस्तु आयुक्त को मौंग गए कार्यों को करने के लिए संयुक्त मुख्य बंदोबस्तु आयुक्त नियुक्त करते हैं।

2. इसे अधिसूचना सं. 1 (1)/93-बंदोबस्तु (क) दि. 21-02-1993 के अधिकमण में जारी किया गया है।

[सं. 1 (1)/96-बंदोबस्तु (क)]

आर. एम. आहुजा, अवर मन्त्रिवाल

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 16th February, 1996

S.O. 725.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Government hereby appoints the Additional Secretary (Revenue) or Joint Secretary (Revenue) as the case may be in the Revenue and Rehabilitation Department of Government of Punjab as Joint Chief Settlement Commissioner, for the purpose of performing, in addition to his own duties as Additional Secretary (Revenue) or Joint Secretary (Revenue) as the case may be, functions assigned to a Joint Chief Settlement Commissioner by or under the said Act, in respect of agricultural lands and shops in any rural area including houses, cattle sheds and vacant sites forming part of the compensation pool.

2. This supersedes notification No. 1(1)/93-Settlement (A) dated 24th February, 1993.

[No. 1(1)/96-Settlement (A)]

R. S. AHUJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

का. आ. 726 :—निकाल ममनि प्रबंध अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा राजस्व एवं पुनर्वास विभाग, पंजाब सरकार के अपर

मन्त्रिवाल (राजस्व) अथवा संयुक्त मन्त्रिवाल (राजस्व), जैसा भी मामला हो, को उक्त अधिनियम के द्वारा अधिकार उपर अधीन सहायक महाभिरक्त को मौंग गए कार्यों के निपाल के उद्देश्य से पंजाब राज्य में स्थित निकाल ममनि का सहायक महाभिरक्त की नियुक्त करता है।

2. इसके द्वारा दिलाक 24-02-1993 की अधिसूचना सं. 1 (1)/93-बंदोबस्तु (ग) का अधिकमण किया जाता है।

[सं. 1 (1)/96-बंदोबस्तु (ग)]

आर. एम. आहुजा, अवर मन्त्रिवाल

New Delhi, the 16th February, 1996

S.O. 726.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoint Additional Secretary (Revenue) or Joint Secretary (Revenue) as the case may be Revenue and Rehabilitation Department, Government of Punjab as the Assistant Custodian General of Evacuee Property situated in the State of Punjab for the purpose of discharging the duties imposed or such Assistant Custodian General by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(1)/93-Settlement(C) dated 24-2-1993.

[No. 1(1)/96-Settlement (C)]

R. S. AHUJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1996

का. आ. 727 :—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकरण एवं पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 (2) द्वारा मृजे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्य बंदोबस्तु आयुक्त एवं द्वारा पंजाब संयुक्त मुख्य बंदोबस्तु आयुक्त की शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब राज्य सरकार के राजस्व एवं पुनर्वास विभाग में अपर मन्त्रिवाल (राजस्व) अथवा संयुक्त मन्त्रिवाल (राजस्व) जैसा भी मामला हो, को क्षतिपूर्ति पून के भाग के तौर पर मकानों, पशु शैडों तथा रिक्त स्थलों महिन किसी ग्रामीण थेव में कृषि भूमि व दुकानों के संबंध में इन धाराओं के अन्तर्गत आदेश पारित करने के उद्देश्य से कथित अधिनियम की धारा 23, 24 एवं 28 के अन्तर्गत आवासी शक्तियां प्रदान करता है।

2. इसे अधिसूचना सं. 1 (1)/93-बंदोबस्तु (ख) दि. 24-02-1993 के अधिकमण में जारी किया गया है।

[सं. 1 (1)/96-बंदोबस्तु (ख)]

उपनिवेश कुमार मिन्हा, मुख्य बंदोबस्तु आयुक्त

New Delhi, the 16th February, 1996

S.O. 727.—In exercise of the powers conferred on me under Section 34(2) of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of

1954), I, U.K. Sinha, Chief Settlement Commissioner do hereby delegate to the Additional Secretary (Revenue) or Joint Secretary (Revenue) as the case may be in the Revenue & Rehabilitation Department of Punjab State Government exercising the powers of Joint Chief Settlement Commissioner, my powers under Section 23, 24 and 28 of the said Act for the purpose of passing necessary orders under these Sections in respect of agricultural lands and shops in any rural area including houses, cattle sheds and vacant sites forming part of the compensation pool.

2. This supersedes notification No. 1(1)93-Settlement (B) dated 24-2-1993.

[No. 1(1)96-Settlement (B)]

U. K. SINHA, Chief Settlement Commissioner

कार्मिक लोक शिक्षायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1996

का. आ. 728:—केन्द्रीय सरकार एनदब्ल्यूएस दिल्ली विभेद पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित अपराधों को दिल्ली विभेद पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषित किया जाने वाले अपराधों के स्पष्ट में विनिर्दिष्ट करती है, यथा:—

(क) गाज़ी, अंतर्राष्ट्रीय सामर-खंड, महाद्वीपीय मण्डल भूमि अन्य अंतर्राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय अधिकारी और अन्य सामुद्रिक धोत्र अधिनियम, 1976 (1976 का 80) की धारा 11 तथा 12 के अंतर्गत इंडीय अपराध।

(ख) उपर्युक्त (क) में वर्णित अपराधों में से किसी एक अथवा अंतर्राष्ट्रीय अधिकारी के संबंधित या संसंबंधित प्रयत्नों, दृष्टिरूपों तथा पद्धतियों और वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किया गया कोई अन्य अपराध अथवा किया गया अन्य अपराध।

[सं. 228/17/96-एसीडी-II]

एम. मौल्दरगजन, अवार मन्त्रिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 27th February, 1996

S.O. 728.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act. No. 25 of 1946), the Central Government hereby specifies the following offence as offence which is to be investigated by the Delhi Special Police Establishment, namely:—

(a) Offence punishable under Section 11 and 12 of the Territorial Waters Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and other

Maritime Zones Act, 1976. (Act No. 80 of 1976),

(b) Attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the offence mentioned in clause (a) above and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/17/96—AVD II]

S. SOUNDAR RAJAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(गजनव विभाग)

[आयकर महानिदेशक (दृष्ट)]

नई दिल्ली, 26 मिन्हार, 1995

(आयकर)

का.आ. 729:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 जी का खंड (ए) उपद्याग (2) का उपर्युक्त (iii एक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्धारित प्राधिकारी निम्नलिखित गान्डीय सुप्रसिद्ध शैक्षिक संस्था को सूचित करती है उक्त उपर्युक्त के लिए एनदब्ल्यूएस निम्नलिखित भार्ते पर अधिसूचित करती है तथा:—

(1) गान्डीय विद्यालय शैक्षिक संस्था प्राप्त किये गये दाता की गणि को जिस कारण इसकी स्थापना की गई उस पर मध्यूर्ण तथा अनन्य स्पष्ट में खर्च करेंगे।

(2) उपर्युक्त उपर्युक्त के अंतर्गत प्राप्त की गई दाता की गणि तथा उसमें की गई खर्च के संबंध में गान्डीय सुप्रसिद्ध शैक्षिक संस्था अपना अन्वय हिसाब रखेंगे।

(3) प्रथम लेखा वर्ष के लेखा की एक प्रति 31 दिसंबर 95 तिम्नलिखित के लेखा वर्ष के अन्तिम दिन निर्धारित प्राधिकारी को जमा किया जाएगा।

[सं. 235/फा.मं. म.नि. (दृष्ट)/80-जी (2) (ए)

(iii-एक)]

ए. चट्टर्जी, आयकर महानिदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

[Director General of Income Tax (Exemptions)]

New Delhi, the 26th September, 1995

(INCOME TAX)

S.O. 729.—In exercise of the powers conferred by the sub-clause (iii) of clause (a) sub-section (2) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the prescribed authority hereby notifies

the following educational institution of national eminence for the purpose of the said sub-clause, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the educational institution of national eminence will apply the amounts of donations received, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) in respect of the donations received under the aforesaid provisions and expenditure made therefrom, the educational institution of national eminence shall maintain separate accounts;
- (iii) a copy of the accounts of each accounting year shall be submitted to the prescribed authority by the 31st December next following the last date of the accounting year.

[No. 235/F. No. DG(E)|80G(2)(a)(III-F)]

A. CHATTERJEE, Director General of Income Tax

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1995

(आयकर)

का.आ. 730 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-जी का खंड (ए) उपधारा (2) का उपखंड (iii एफ) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, निर्धारित प्राधिकारी निम्नलिखित गान्धीय सुप्रसिद्ध शैक्षिक संस्था को सूचित करती है कि उक्त उपखंड के लिए एतदारा निम्नलिखित गति पर अधिसूचित करती है तथा :—

- (1) गान्धीय विष्यालत शैक्षिक संस्था प्राप्त किये गये दान की गणि को जिस कारण इसकी स्थानान्तर की गई उस पर सम्पूर्ण तथा अनन्य रूप में बदल दिये जाएंगे।
- (2) उपर्युक्त उपबध के अंतर्गत प्राप्त की गई दान की राशि तथा उसमें की गई खर्च के संबंध में गान्धीय सुप्रसिद्ध शैक्षिक संस्था अपना अन्य रूप दिया जाएगा।
- (3) प्रत्येक लेखा वर्ष के लेखा की एक प्रति 31 दिसंबर, 95 निम्नलिखित के लेखा वर्ष के अंतम दिन निर्धारित प्राधिकारी को जमा किया जाएगा।

[स. 236/का.सं. म.नि. (खट)/80-जी (2)
(ए) (III-एफ)]

ए. चटर्जी, आयकर महानिदेशक

New Delhi, the 6th November, 1995

(INCOME-TAX)

S.O. 730.—In exercise of the powers conferred by the sub-clause (iii) of clause (a) sub-section (2) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the prescribed authority hereby notifies the following educational institution of national eminence for the purpose of the said sub-clause, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the educational institution of national eminence will apply the amounts of donations received, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) in respect of the donations received under the aforesaid provisions and expenditure made therefrom, the educational institution of national eminence shall maintain separate accounts;
- (iii) a copy of the accounts of each accounting year shall be submitted to the prescribed authority by the 31st December next following the last date of the accounting year.

[No. 236/F. No. DG(E)|80G(2)(a)(III-F)]

A. CHATTERJEE, Director General of Income Tax

कलकत्ता, 18 दिसंबर, 1995

(आयकर)

का.आ. 731 :—मर्वाधारण को एतदारा मिलिंग किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गति पर “संघ” के संबंध के अधीन अनुरोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुमंपात कार्यों के लिए अन्य लेखा बहिर्भूत रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुनंदित संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक भवित्व, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुमंपात त्रिभाग, प्रौद्योगिकी भवन, “न्यू मैट्रोली” गोड़, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-पर्याक्रिया वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (खट), (ख) मंचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुमंपात विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (खट) जिनके श्रेष्ठाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क किया गया संबंधित खट के बारे में लेखा-पर्याक्रिया आयकर विभाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जवाहर लाल नेहरू, अन्तर्राष्ट्रीय रिमार्क डेवलपमेंट, 144 डिजाइन टेक्नोलॉजी, ऑपो. बाई पार्क एसेंस अमरावती गोड़, पी.ओ. वार्ड, नागपुर-440023.

यह अधिनियम दिनांक 1-1-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गति (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन दी अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (कूट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (कूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1477/एक.सं. म.नि./आ.क. (कूट)/एम 100/
कल./35 (1)(ii)/90]
आर. सिंह, उप निदेशक

INCOME TAX

S.O. 731.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', N.W. Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; &
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jawaharlal Nehru Aluminium Research Development & Design Centre, Opp. Wadi Police Station, Amara-vati Road, P.O. Wadi, Nagpur-440023.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes: (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1477/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-100/35(1)(ii)/90]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1995

आयकर

का.आ. 732—सर्वत्राधारण की 'इंडिया' सुचित किया जाता है कि निम्ननिमित्त संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपप्राय () के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विशेष प्राधिकारी द्वारा निम्ननिमित्त शर्तों पर "संघ" के तंत्रज्ञ के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए जल्द लेखा विभाग रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक कार्यिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (कूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (कूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और जायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विस्तृत किया गया संबंधित कूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ज्ञान-इंडस्ट्रीयल एण्ड सेटीफिक रिसर्च,
13, सीतापुर वादी, मजागांव,
बांस्वे-400010.

यह अधिसूचना विनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अधिकारी के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा तंत्रज्ञ के लिए लागू नहीं होगा।

- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (कूट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (कूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1478/एक.सं. म.नि./आ.क. (कूट)/एम. 64/
कल./35(1)(ii)/89)]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th December, 1995

INCOME TAX

S.O. 732.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jayant Industrial and Scientific Research, 13, Sitasalwadi Mazagaon, Bombay-400010.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-94.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1478/F. No. DG/IT(E)/Cal/M-64/35(1)(i)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 दिसंबर, 1995

आयकर

का.आ. 733.—मर्वनाधारण को एन्ड्राजा युनियन निया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बृहद (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के भवीन अनुमोदित किया गया है:—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्य लेखा वहिनी नहीं है।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वर्तिक निवेश प्रयोक्त विनाय वर्ष के लिए प्रयोक्त वर्ष के 31 मई तक संनिय वैज्ञानिक व औद्योगिक

अनुसंधान विभाग, "प्रोस्थानिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (3) यह प्रयोक्त वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मार्विव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर गहानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दो गई रिसर्च किया गया संवैधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यवहार की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ज्यान इंडस्ट्रीजल एण्ड मेन्टोरिंग रिसर्च, 13, सीतालक बाई, मजागाव, बांग्ले-400010.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्राप्ती है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त धारा (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनिवाल दिया जाना है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के मर्बंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[रिक्ता : 1479/एफ.स. म.नि./आ.क. (छूट)/एम. 64/कल./35/(1)(ii)/89] आर. मिह. उप निदेशक

Calcutta, the 18th December, 1995

INCOME TAX

S.O. 733.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax

(Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Account, and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jayant Industrial and Scientific Research, 13, Sitalwadi Mazgaon, Bombay-400010.

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1479 (F. No. DG/IT(E)/Call/M-64/35(1)(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 दिसम्बर, 1995

आयकर

का आ 731.—संवर्धन को प्रत्यक्षारा सूचित किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बिंदु (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संस्थान" के संर्वानुक्रम अनुसूचित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्य लक्ष्य विहित रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोटोटाइपी भवन "न्यू गेहरीनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्गिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिवेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई नियम किया गया संबंधित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आयकर नियम को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हैदराबाद आई रिसर्च फाउण्डेशन,
गोड नं. 2, बंजारा हिल्स,
हैदराबाद-500034.

इस अधिनियम दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की व्यावधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गत (1) "गंप" गीता नक्षा के लिए लाभ नहीं होता।

2. संगठन को गुदाकर दिया जाता है कि वे अनुसूचित की अवधि बलने के लिए आयकर आयकर/प्रायकर निवेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुसूचित का अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रगति करता है।

[मंदिरा : 1480 (एफ सं. म.नि./प्रा.क.)/(छट)/ए.पी.-16/35 (1) (ii)/90-91]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 27th December, 1995

INCOME TAX

S.O. —It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions.—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Hyderabad Eye Research Foundation Road No. 2, Banjara Hills, Hyderabad-500034.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-1998.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1480 (F. No. DG/IT(E)/AP-16/35(1)(ii)/90-91]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 दिसम्बर, 1995

भाष्यकार

का. आ. 735.—गर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाट (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “मन्दिर” के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आयकर लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” नम्बर मेहरोरी रोड, नं. दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक लेखा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन्हें संगठन पड़ा है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में की गई सिसर किए पारा अनुसंधित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आयुक्त द्वारा को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

स्वेकार रिहार्डोडेशन इंस्टीट्यूट फॉर हैंडीकैप्ड उपकार सर्कन, पोकेट, बिकन्दराबाद-500003

यह अधिसूचना वित्तीक 1-4-95 में 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

- उपर्युक्त शर्त (1)—"मन्दिर" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ा है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संदर्भ : 1481 (एफ. स. म. नि./आ. क.

(छट)/ए. पी. 19/35(1) (iii)/93]

आर. मिह, उप निवेशक

Calcutta, the 27th December, 1995

INCOME TAX

S.O. 735.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit in the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sweekaar Rehabilitation Institute for Handicapped Upkaar Circle, Picket, Secunderabad-3, A.P.

This Notification is effective for the period from 1-4-1995 to 31-3-1998.

Notes: (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application of extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1481/F. No. DG/IT(E)/Cal/AP-19/35(1)(iii)/93]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 दिसम्बर, 1995

आयकर

का. आ. 736.—संबंधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाट (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संसाधार” के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन'

“न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को
भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित लेखा की प्रति (क) आयकर महानिःशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिःशक (छट) जिनके थेवाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेकेन्स लेपरोमी रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग सेन्टर,
एम. पैट. आर. सनारेग्ना,
कारीगरी-632106, एम. ए. इ. डिस्ट्रीक्ट,
तमिलनाडु

यह अधिसूचना दिनांक 9-6-95 में 31-3-98 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

- उपर्युक्त शर्त (1)—“संघ” जैसा संवर्ग के लिए लाग नहीं होगा।
- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निःशक (छट) जिनके थेवाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिःशक (छट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छ: प्रति, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1482 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छट)/
टी. एन. 75/35 (1)(ii)/95]
आर. मिह, उप निःशक

Calcutta, the 27th December, 1995

INCOME TAX

S.O. 736.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and

(c) Commissioner of Income tax Director of Income Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Schieffelin Leprosy Research and Training Centre, Karigiri-632106, North Arcot District, Tamil Nadu.

This Notification is effective for the period from 9-6-1995 to 31-3-1998.

Notes: (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1482/F. No. DG/IT(E)/Cal/75/35(1)(ii)/95]

R. SINGH, Dy. Director.

कलकत्ता, 27 दिसम्बर, 1995

आयकर

का. आ. 737.—सर्वसाधारण को एनडारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर “संस्थान” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्य लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, “न्यू मेहरौली रोड”, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिःशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिःशक (छट) जिनके थेवाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी रिसर्च सोसाइटी फोर दी केयर ट्रीटमेन्ट एंड ट्रेनिंग
आफ चिल्डरेन इन नीड आफ सोशल केयर, सीधारीहिल,
स्वीरी रोड, वाम्बे-400033।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

- उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू
नहीं होगा।
- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन
की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर
निदेशक (छूट) जिनके अधिकारी के संगठन पड़ता
है के साध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट),
कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन
की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की
6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1483 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/
एम. 73/कल./351 (ii)/89)]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 27th December, 1995

INCOME TAX

S.O. 737.—It is hereby notified for general information
that the organisation mentioned below has been approved
by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income
Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1)
of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the
category Institution subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of
accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific
research activities to the Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research, 'Technology
Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016
for every financial year by 31st May of each
year; &
- It will submit to the (a) Director General of
Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department
of Scientific & Industrial Research, and (c)
Commissioner of Income Tax/Director of Income
Tax (Exemptions), having jurisdiction over the
organisation, by the 31st October each year, a
copy of its audited Annual Accounts and also a
copy of audited Income & Expenditure Account in
respect of its research activities for which exemption
was granted under sub-section (1) of section
35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society for the Care Treatment & Training
of Children in need of Special Care, Sewri Hill, Sewri Road,
Bombay-400033.

This Notification is effective for the period from
1-4-92 to 31-3-95.

NOTES.—(1) Condition (1) above will not apply to organi-
sations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicates
and well in advance for further extension of the
approval, to the Director General of Income
Tax (Exemptions), Calcutta through the Com-
missioner of Income-tax/Director of Income
Tax (Exemptions) having jurisdiction over the
organisation. Six copies of the application for
extension of approval should be sent directly to the
Secretary, Department of Scientific & Industrial
Research.

[No. 1483]F, No. DG/IT(E)Cal/M-73/351(ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 27 दिसम्बर, 1995

आयकर

का. आ. 738.—सर्वसाधारण को एन्ड्रेग्रा सूचित
किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के ब्रण्ड
(ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित
प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग
के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा
वहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का
एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए
प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व
औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन
"न्यू मेहराली रोड, नई विल्सनी-110016 को
भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित
वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक
(छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक
अनुसंधान विभाग और (ग) आयुक्त/
आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकारी
में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम
1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च
किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित
आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी रिसर्च सोसाइटी फोर दी केयर ट्रीटमेन्ट एंड ट्रेनिंग
आफ चिल्डरेन इन नीड आफ सोशल केयर,
सीधारी हिल, स्वीरी रोड, वाम्बे-400033

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

- उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू
नहीं होगा।
- संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन
की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर

निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छ: प्रति सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1484/एफ. स. म. नि./आ. क.
(छूट)/एम. 73/कल./35(1)(ii) 89]
आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 27th December, 1995

INCOME TAX

S.O. 738.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Research Society for the Care Treatment & Training of Children in need of Special Care, Sewri Hill, Sewri Road, Bombay-400033.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

NOTES.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1484/F. No. DG/IT(E)/CAL/M-73/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 2 जनवरी, 1996

आयकर

ग. आ. 739.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित केया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii)

के लिए आयकर नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के सर्वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति, (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षीत आय व्यथ हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम कॉसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, रफी मार्ग, नई दिल्ली — 110001.

यह अधिसूचना दिनांक, 1 अप्रैल, 1995 से 31 मार्च 1998 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा सर्वर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की छ: प्रति, सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 1485 एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट)/एन. डी. 77/कल./35(1)(ii)/90]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 2nd January, 1996

INCOME TAX

S.O. 739.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Council of Scientific & Industrial Research Rafi Marg, New Delhi-110 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

NOTES.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1485/F. NG/IT(E)/ND-77/35(1)(ii)/90]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, दिनांक 2 जनवरी, 1996

आयकर

का. आ. 740.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति, (क) आयकर महानिवेशक (छटा), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छटा के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: आयकर टेक्नोलॉजीस्ट्स एसोसिएशन आफ इंडिया, नवाबगांज, कानपुर, — 208002.

4. यह अधिसूचना दिनांक 9-मई 1995 से 31 मार्च 1996 तक की अधिकृति के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:- 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छटा), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1486/एफ सं. म. नि. आ. क. (छटा)/य. पी. 28/35 (1) (ii)/95]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 2nd January, 1996

INCOME TAX

S.O. 740.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Oil Technologists Association of India, Nawaabganj, Kanpur-208002.

This Notification is effective for the period from 9-5-94 to 31-3-96.

NOTES.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1486/F. No. DG/IT(E)/CAL/UP-28/35(1)(ii)/95]
R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 2 जनवरी, 1996

आयकर

का. आ. 741.—सर्वसाधारण को एतद्वाग मूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहिन प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा भवियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोटोकोलिकी भवन “न्यू मेहरीली रोड, नई दिल्ली — 110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा—परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-ध्यय का हिसाब भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : नानावती हॉस्पीटल मेडिकल रिसर्च सेन्टर स्वामी विवेकानन्द रोड, विले पारले (डब्ल्यू) बम्बई — 400056.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1995 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1 उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए नाम नहीं होगा।

2. संगठन को सुनिश्चित दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1487 एफ सं म नि/आ.क. (छूट) एम 58/कल./35(1)
(ii)/89]

आर. सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 2nd January, 1996

INCOME TAX

S.O. 741.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehruali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nanavati Hospital Medical Research Centre, Swami Vivekananda Road, Ville-Parle (West) Bombay-400056.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1487/F. No. DG/IT(E)/CAL/M-58/35(1)
(ii)-89]

R. SINGH, Dy. Director

কলকাতা, 8 জনবৰী, 1996

ଆୟକର

କা. ଆ. 742.—ସର୍ବମାଧ୍ୟାଣ କୋ ଏନ୍‌ଦ୍ଵାରା ମୁଚିତ କିଯା ଜାତା ହୈ କି ନିମ୍ନଲିଖିତ ସଂଗ୍ଠନ କୋ, ଆୟକର ଅଧିନିୟମ 1961 କୀ ଧାରା 35 କୀ ଉପଧାର (1) କେ ଖଣ୍ଡ (ii) କେ ଲିଏ ଆୟକର ନିୟମ କେ ନିୟମ 6 କେ ଅଧିନ ବିହିତ ପ୍ରାଧିକାରୀ ଦ୍ୱାରା ନିମ୍ନଲିଖିତ ଶର୍ତ୍ତୋ ପର “ସଂସ୍ଥାନ” କେ ସଂବର୍ଗ କେ ଅଧିନ ଅନୁମୋଦିତ କିଯା ଗ୍ୟା ହୈ :—

(i) ସଂଗ୍ଠନ ଅନୁସଂଧାନ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଲିଏ ଆଲଗ ଲେଖା ବହିଆ ରଖେଗା ।

(ii) ଯହ ଅଧିନ ବୈଜ୍ଞାନିକ ଅନୁସଂଧାନ ସଂବଧୀ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଏକ ବାର୍ଷିକ ବିବରଣ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବିତ୍ତିଯ ବର୍ଷ କେ ଲିଏ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବର୍ଷ କେ 31 ମେଇ ତକ ସଚିବ, ବୈଜ୍ଞାନିକ ଓ ଆଧ୍ୟୋଗିକ ଅନୁସଂଧାନ ବିଭାଗ “ପ୍ରୋଟ୍ୟୋଗିକ୍ ଭବନ” ଯୁ ମେହରାଳୀ ରୋଡ୍, ନେଇ ଦିଲ୍ଲି-110016 କୋ ଭେଜେଗା, ଥାଏ

(iii) ଯହ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବର୍ଷ କେ 31 ଅକ୍ଟୋବର ତକ ଲେଖା ପରିକ୍ଷିତ ବାର୍ଷିକ ଲେଖା କୀ ପ୍ରତି (କ) ଆୟକର ମହାନିଦେଶକ (ଛୁଟ) (ଖ) ସଚିବ ବୈଜ୍ଞାନିକ ତଥା ଆଧ୍ୟୋଗିକ ଅନୁସଂଧାନ ବିଭାଗ ଔର (ଗ) ଆୟକର ଆୟୁକ୍ତ/ଆୟକର ମହାନିଦେଶକ (ଛୁଟ) ଜିନକେ ଧୋଵାଧିକାର ମେ ଉତ୍ସନ ସଂଗ୍ଠନ ପଢ଼ିବା ହୈ ଔର ଆୟକର ଅଧିନିୟମ, 1961 କୀ ଧାରା 35(i) ମେ ଦୀ ଗେଇ ରିସର୍ଚ କିଯା ଗ୍ୟା ସଂବଧିତ ଛୁଟ କେ ବାରେ ମେ ଲେଖା ପରିକ୍ଷିତ ଆଗ୍ରହ୍ୟ ହିସାବ କୋ ଭୀ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରେଗା ।

ସଂଗ୍ଠନ କା ନାମ : ଅରବିନ୍ଦ ଆଶ୍ରମ ଟ୍ରୁସ୍ଟ ପି. ଓ୦
ଶ୍ରୀ ଅରବିନ୍ଦ ଆଶ୍ରମ ପଂଡିଚେରୀ—605002.

ଯହ ଅଧିସୂଚନା ଦିନାଂକ 1-4-95 ଥିବା 31-3-96 ତକ କୀ ବର୍ତ୍ତି କେ ଲିଏ ପ୍ରଭାବୀ ହୈ ।—

ଟିପ୍ପଣୀ : 1. ଉପର୍ଯୁକ୍ତ ଶର୍ତ୍ତୋ (1) “ସଂଧ” ଜୈସା ସଂବର୍ଗ କେ ଲିଏ ଲାଗୁ ନହିଁ ହୋଗା ।

2. ସଂଗ୍ଠନ କୋ ମୁଦ୍ରାବ ଦିଯା ଜାତା ହୈ କି ବେ ଅନୁମୋଦନ କୀ ଅବଧି ବଢ଼ାନେ କେ ଲିଏ ଆୟକର ଆୟୁକ୍ତ/ଆୟକର ନିଦେଶକ (ଛୁଟ) ଜିନକେ ଧୋଵାଧିକାର ମେ ସଂଗ୍ଠନ ପଢ଼ିବା ହୈ କେ ମାଧ୍ୟମ କେ ଆୟକର ମହାନିଦେଶକ (ଛୁଟ), କଲକତା କୋ ତିନ ପ୍ରତିଯୋ ମେ ଆବେଦନ କରେ, ଅନୁମୋଦନ କୀ ଅବଧି ବଢ଼ାନେ କେ ସଂବଧ ମେ କିଏ ଆବେଦନ-ପତ୍ର କେ ବିଭାଗ କୋ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରନା ହୈ ।

[ସ. 1488(ୱିଷ. ମନ୍ତ୍ର/ଆକ (ଛୁଟ) ପନ୍ଥୀ-3/କଲ. /35(1)
(ii) 89]

ଆର. ସିହ, ଉପ ନିଦେଶକ

Calcutta, the 8th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 742.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shri Aurobindo Ashram Trust, P. O. Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry-605002.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1488|F. No. DG|IT(E)|Pond-3|35
(1)|(ii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 8 जनवरी, 1996

Calcutta, the 8th January, 1996

आयकर

का.पा. 743.—सर्वदातारण को प्रदानग नियत किया जाता है कि निम्ननिमित्त संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन वित्ति प्रधिकारी द्वारा निम्ननिमित्त शर्तों पर “संस्थान” के संबंध के अधीन अनुसूचित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रबल लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह शपले वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का प्राकृतिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्त के द्विं प्रत्येक वर्त के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व यांदोगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, “न्यू मैडर्नली रोड”, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, अंतर

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 शक्तिवर तकलेखा-प्रत्यक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा यांदोगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धोताधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-अयम दिनाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एन.एम. वादीया चार्टरेड हॉस्पिटल,
दादा माहेव गायकवाड रोड,
सोलापुर-413001.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-97 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुसंदेन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धोताधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंदिरा : 1489(एफ.सं.म.नि./ग्रा.क. (छूट)/एम-128/
35(1)(ii)/90]

आर. सिंह, उप निदेश

INCOME TAX

S.O. 743.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehruali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

N. M. Wadia Charitable Hospital, Dadasaheb Gaikwad Road, Solapur-413001.

This Notification is effective for the period from 1-4-97 to 31-3-98.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1489|F. No. DG|IT(E)|CAL|M-128(35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 8 जनवरी, 1996

का.आ. 744.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व श्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, “न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीन वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव वैज्ञानिक नया श्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकर्ता/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके धेनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) मेंदी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीन ग्राह-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इलेक्ट्रोकल रिसर्च एण्ड डेवलॉपमेंट प्रोसेशन्यसन, पी.बी.नं. 760 मकरपुरा रोड, वादोदरा-390010.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) 'संघ' जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकर्ता/आयकर निदेशक (छट) जिनके धेनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए ग्राह-व्यय की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंधा: 1490 (एफ.स.म.नि./आ.क. (छट)/एम-76/
35 (1) (ii)/89]

आर. सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 8th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 744.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mchruali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Electrical Research and Development Association, P. B. No. 760, Makarpura Road, Vadodara-390010.

This Notification is effective for the period from 1-4-90 to 31-3-93.

Note : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1490|F. No. DG|IT(E)|CAL|M-76|35(1)
(ii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 8 जनवरी, 1996

श्रावकर

का. आ. 745—संवेदनाधारण को एनदब्ल्यूआरा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विद्यावाचक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली—110016 को भेजेगा, और

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली—110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक संगठन की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक विभाग औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इलेक्ट्रीकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन,
पी. बी. नं. 760, मकरपुरा रोड,
वादोदरा—390010

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए नागू नहीं होगा।
2. संगठन को गुरुवार विद्या जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को दीन प्रतियों में प्रावेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में लिए आवेदन पत्र की छ: प्रतियों संचिव, वैज्ञानिक विभाग औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1491/एफ सं. म. नि /आक. (छूट)/एम-76/35 (1)(ii)/89]

आर. मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 8th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 745.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial

Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Electrical Research and Development Association, P. B. No. 760, Makarpura Road, Vadodara-390010.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1491|F. No. DG|IT(E)|CAL|M-76|35(1)
(ii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 8 जनवरी, 1996

आयकर

का. आ. 746.—संवेदनाधारण को एनदब्ल्यूआरा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विभिन्न रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक संगठन की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक विभाग औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) पर दी गई इसमें कार्यों से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आप-ब्याप हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोरम इंस्टीट्यूट आफ हैंडिंग
इमेजेन फाउण्डेशन मर्गेश भवन,
16, श्री/1, डा. अम्बेडकर रोड, पुणे - 411001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "मंथ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिकारी बहुत के लिए आयकर आयकृत/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में व्यापक करें। अनुमोदन की अधिकारी बहुत के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छ. प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक हथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1492/ए. म. म नि/आक (छूट) एम-41/35 (1) (ii)/89]
श्र. मित्र, उप निदेशक

Calcutta, the 8th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 746.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Serum Institute of India Research Foundation (SIIRF) Sarosh Bhavan, 16-B/1, Dr. Ambedkar Road, Pune-411001.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1492/F. No. DG/IT(E)/CAL/M-41/35(1) (ii)/89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जनवरी, 1996

आयकर

का. श्रा 747—राजसाधारण को एकदमांग सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपर्युक्त (i) के खट (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनुग्रह लेखा यद्यपि नहीं।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक अल्पित विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 अप्रैल सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोग्राम्सी मैट्स," न्यू महरौनी रोड, नई दिल्ली - 110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयतार महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक विभाग औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकृत/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई इसमें कार्यों में संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोरम इंस्टीट्यूट ट्रैनिंग एंड रिसर्च मेंटर,
25-ए, आयामगपत्नायन रोड, के. श्री. गुरुम पी. ओ.
कोयम्बाटूर - 641006

गह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "मंथ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिकारी बहुत के लिए आयकर आयकृत/आयकर निवेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में व्यापक करें। अनुमोदन की अधिकारी बहुत के संबंध में किए आवेदन-पत्र की छ. प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 1493/ए.म.म.नि/आक (छूट) /टी.एन-26/कलकत्ता/ (i) (ii)/89]
श्र. मित्र, उप निदेशक

Calcutta, the 8th January, 1996

कलकत्ता, 8 जानवरी, 1996

INCOME TAX

S.O. 747.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehruali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Small Industries Testing and Research Centre,
25A, Avarampalayam Road, K. R. Puram,
P. O. Coimbatore-641006.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-92.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1493/F. No. DG/IT(E)/CAL/TN-26/35(1)
(ii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

का. आ. 748.—मर्यादित विधिवाली को प्रत्येक वर्ष मुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर विधिवाली, 1961 की धारा 35 की अधारा (1) के अंत (ii) के लिए आयकर विधिवाली के विधान 6 के अधीन विहित विधिवाली द्वारा निम्नलिखित वर्षों पर "संस्थान" के मर्याद के अधारान प्रत्येक वर्ष मुचित किया गया है :—

(i) संगठन प्रत्येक वर्षों के लिए प्रत्येक वर्ष मुचित किया गया।

(ii) यह आने वैज्ञानिक अनुसंधान मर्यादी कार्यों का एक वायिक विवरण प्रत्येक वर्षों के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मिलियन वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" में महोदयी, गोदान, नई शिल्पी - 110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (पृष्ठ), (ख) मन्त्रिव वैज्ञानिक लेखा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकर/आयकर महानिदेशक (पृष्ठ) जिनके द्वारा विभिन्न विधिवाली में उन संगठन पड़ता है और आयकर विधिवाली, 1961 की धारा 3 (1) में दी गई विधिवाली गया संबंधित विधिवाली में लेखा परीक्षित विधिवाली को भी प्रत्युत करेगा।

संगठन का नाम

इमोल इडायट्रीस ट्रॉस्टिंग एण्ड रिसर्च सेंटर,
25 - प. अनाराम पलायन रोड, के. पार, पुरम पा. ओ.
कोयम्बाटूर - 641006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त वर्णन (1) "मर्यादी" जैसा मर्याद के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि विहाने के लिए आयकर अधिकर/आयकर विधिवाली (पृष्ठ) जिनके अन्वाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (पृष्ठ), कलकत्ता को तीन प्रतियों में अवेदन करें, अनुमोदन की अवधि विहाने के संबंध में किए अवेदन-पत्र को विभाग का प्रकृत करता है।

मिला 1493 (एक सं.म.नि./आ.क(पृष्ठ)/टी.एन.-26/कल 35(1)

(ii)|89]

आर. सिंह, उप विवेशक

Calcutta, the 8th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 748.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial

Research, 'Technology Bhawan', New Mehruali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Small Industries Testing and Research Centre,
25A, Avarampalayam Road, K. R. Puram, P.O. Coimbatore-641006.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1494|F. No. DG|IT(E)|CAL|TN-26|35(1)
(ii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 8 जनवरी, 1996

आयकर

का. आ. 749.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संघ' के संवग के अधीन प्रत्युमेवित किया गया है :-

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, एम् महरौली-रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर संक्षेपे—परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानियंशक (छटा), (ख) संचित, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आद्यकर/आयकर महानियंशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छटा के बारे में लेखा परीक्षीत आप्र व्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श. गोडारीय रिसर्च फाउण्डेशन,
7-1-27, अमीर पेट,
हैदराबाद - 500016

यह प्रधिनियम विनाश 1-4-95 से 31-3-98 तक का व्यवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) 'संघ' जैसा संवग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदित की व्यवधि वर्तने के लिए आयकर आयुल/प्रायकर नियंशक (छटा) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के वाध्यम से आयकर महानियंशक (छटा), करनाला को नीति विधियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि वर्तने के संबंध में किए आवेदन - पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1495 (ए. स. म. वि./प्रा. वि.) (छटा) ए. पी.-17/कृ. 35
(1)(ii) 89]
प्रारंभिक, उत्तर विदेशक

Calcutta, the 8th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 749.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehruali Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dr. Reddy's Research Foundation 7-1-27,
Ameerpet, Hyderabad-500016.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1495/F. No. DG|IT(E)|CAL|AP-17|35(1)
(ii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

काम्पनी, 11 जनवरी, 1996

आवेदक

का.आ. 750.— नव्यसाधारण वाले रहदङ्का सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के तहत आयकर नियम के नियम 6 के अन्तर्गत निम्न प्रतिक्रिया द्वारा निम्नलिखित घट्टों पर "विद्यविद्यालय" के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अक्षय लेखा वाहिका रखेगा।

(ii) यह यांत्रे वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का प्रयोग वाहिक विवरण प्रत्येक विनाय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सचिक, वैज्ञानिक वैश्वानिक अनुसंधान विनाय, प्रौद्योगिकी शब्द, यू. मदरसों रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा पराधिक वाहिक का प्रति (क) आयकर नियमित देशक (छट) (३) सचिव, वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग भौतर (ग) आयकर आयकर/आयकर भौतिक देशक (छट) जिनके अधिकार में सक्त संगठन दृष्टा है प्रीत आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 (1) में दी गई जिसके किया गया संबंधित छट के बारे में नेत्रा परीक्षित आवश्यक उमाव भी भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात विद्यालय प्राथम नोड, अहमदाबाद-380014

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी 1. उपर्युक्त वाले (1) "वर्ष" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2 संगठन को गुप्ताधि दिया जाता है कि वे अनुमोदित का अवधि वधाने के लिए आवेदक आयकर/आयकर नियमित (छट) द्वितीय अधिकार में संगठन दृष्टा है के आधार से आयकर अनुसंधान देशक (छट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन कर, अनुमोदित को अवधि वधाने के संबंध में किए आवेदन-रिक्विएशन को विभाग को प्रस्तुत करता है।

[नंबर: 1496(प्र.सं.नि./प्र.क. (छट)/जी. 29)
कार 35(1)(II)/90)

आरू मिह, उप नियमित

Calcutta the 11th January, 1996

INCOME-TAX

S.O. 750.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; &
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Vidyapith, Ashram Road,
Ahmedabad-380014.

This notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income

Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1496/F. No. DG/IT(E)/CAL/G-29/35(1)
(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 11 जनवरी, 1996

प्रायोकर

का.प्रा. 751.—पर्याधारण को प्रतदृष्टारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 की उद्धारा (1) के उपर्युक्त (II) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधाने विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संघ' के संवर्ग के अवोत अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग नेतृत्वात्मक रूपेश्वरी।

(ii) यह अन्त वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वातिक विवरण प्रत्येक विज्ञोय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व श्रीव्यापिक अनुसंधान विभाग, प्रोविंसियों भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेतृत्वात्मक वातिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिवेदक (छट) (३) सचिव, वैज्ञानिक तथा श्रीव्यापिक प्रनूसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकृत/आयकर महानिवेदक (छट) जिनके क्षेत्राविकार में उक्त संगठन पड़ा है और आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35(1) में दो ग्रन्त रिकॉर्ड किया गया संदर्भन्त सूट के बारे में लड़ा-प्रगतिशील आवधार द्वितीय को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मीनर्स हैल्थ,
श्रीकृष्णा राजेन्द्ररा रोड,
गरीकुप्पम पोस्ट,
कोडार गोल्ड फील्ड्स,
कर्नाटक-563119

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के मिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) 'संघ' जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को रुक्षाव दिया जाना है कि ये अनुमोदन पर्याधारण बाहर के लिए आपकर आयकर/आयकर निवेदक (छट) जिनके क्षेत्राधि-

कार में संगठन पक्षता है के माध्यम से आयकर महानिवेदक (छट), कलकत्ता को तीन प्रत्यियों में विभाजित करें, अनुमोदन की अर्द्ध बड़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मंद्या: 1497 /पक्ष.सं.म.नि./आ.क. (छट)/
के.टी.-28/कल/35/(1)(II)/90]
आर० सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 11th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 751.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Miner's Health, Sri Krishnarajendra Road, Marikuppam Post, Kolar Gold Fields, Karnataka-563119.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies

of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. F497] F. No. DG[IT(E)]CAL
KT-28|35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director
of Income Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 15 जनवरी, 1996

आयकर

का. आ. 752.—सर्वसाधारण को एतदाग मूल्यन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्थान” के मंत्र्योग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा व्यहारां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्र्योग कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विनीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग प्रोफेशनल भवन, न्यू महरोनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक छूट (ज्व) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक छूट जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया गंवधिन छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आयकर विभाग को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दिव्याज्योति आयुर्वेदि क रिसर्च फाउण्डेशन,
9, स्वेता पार्क, नीयर मनिक
बागहाल, अहमदाबाद-380015

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त धर्ता (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को नीन प्रतियों

से शामिल कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र का विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंज्या: 1498/एफ. म. म. न. /प्र. न. (२)। ज्व. ४९/
३५(१)(ii)|90]

आ.न. ५८, डिप्प नियंत्रक

Calcutta, the 15th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 752.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Divyajyoti Ayurvedic Research Foundation,
9, Sweta Park, Near Manekbaug Hall,
Ahmedabad-380015.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes: (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies

of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1498]F. No. DG|IT(E)|CAL
G-49|35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director
of Income Tax (Exemptions)

কলকাতা, 15 জনুয়ারী, 1996

ଆয়কাৰ

কা.শ্রা. 753.—মৰ্বসাধাৰণ কো এতদ্বারা সূচিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কাৰ অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35 কী উপধাৰা (1) কে খণ্ড (ii) কে লিএ আয়কাৰ নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহীন প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শাৰ্টে পৰ “বিশ্ববিদ্যালয়” কে সংৰ্বৰ্গ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ:—

(i) সংগঠন অনুসংঘান কাৰ্যো কে লিএ অলগ লেখা বহিৱাং রখেগা;

(ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংঘান সংবংধী কাৰ্যো কা এক বাৰ্ষিক বিবৰণ প্ৰত্যেক বিস্তীৰ্য বৰ্ষ কে লিএ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 মাৰ্চ তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ব আৰ্থোগিক অনুসংঘান বিভাগ “প্ৰোগ্ৰামিক পক্ষ” ন্যূ মেহৰোলী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভেজেগা; আৰে

(iii) যহ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 33 অক্টোবৰ তক লেখা-পৰীক্ষিত বাৰ্ষিক লেখা কী প্ৰতি (ক) আয়কাৰ মহানিৰ্দেশক (ছুট), (খ) সচিব বৈজ্ঞানিক তথা আৰ্থোগিক অনুসংঘান বিভাগ আৰে (গ) আয়কাৰ আযুক্ত/আয়কাৰ মহানিৰ্দেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰে আয়কাৰ অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35 (1) মেঁ দী গৈ রিসৰ্চ কিয়া গয়া সংৰংশিত ছুট কে বাবে মেঁ লেখা-পৰীক্ষিত আৰ্য্য হিসাব কী ভী প্ৰস্তুত কৰেগা।

সংগঠন কা নাম

ইণ্ডিয়ন ইন্সিটিউট আফ টেকনোলজী,
হৌজ খাস, নই দিল্লী-110016

যহ অধিসূচনা দিনাংক 1-4-89 মে 31-3-92 তক কী অৱধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী: 1. উপৰ্যুক্ত শাৰ্ট (1) “সংৰ্ব” জৈসা সংৰ্বৰ্গ কে লিএ লাগু নহীন হৈগা।
2. সংগঠন কো সুস্থায় দিয়া জানা হৈ কি কো অনুমোদন কী অৱধি বহানে কে লিএ আয়কাৰ আযুক্ত/আয়কাৰ নিৰ্দেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম মেঁ আয়কাৰ মহানিৰ্দেশক (ছুট), কলকাতা কো তীন প্ৰতিযোগী মেঁ আৱেদন কৰে, অনুমোদন কী অৱধি বহানে কে সংৰংশ মেঁ কিএ আৱেদন-পত্ৰ কী বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

[সংজ্ঞা. 1499 /এফ.সং. ম.নি.আ.ক. (ছুট)/এন.

ডি. 55/কল/35/(1)(ii)|90)]

আৱো সিংহ, উপ নিৰ্দেশক

Calcutta, the 15th January, 1996

INCOME TAX

S. O. 753.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “University” subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Technology, Hauz Khas,
New Delhi-110016.

This Notification is effective for the period from 1-4-89 to 31-3-92.

Notes: (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1499]F. No. DG|IT(E)|CAL
ND-55|35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director
of Income Tax (Exemptions)

कलकत्ता, 15 जनवरी, 1996

ग्राहक

का.आ. 754.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की धारा (1) के खंड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “विश्वविद्यालय” के मंवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोचुरोगिकी भवन” न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महा निदेशक (छूट) (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धोकाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्क किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी
हौज खास, नयी दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा मंवर्ग के लिए लाग नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धोकाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता वो नीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए ग्रावेन पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंद्या: 1500/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/
एन.डी. 55/कल/35/(1)(ii)/90]
आर मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 15th January, 1996

INCOME TAX

S. O. 754.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “University” subject to the following category :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year :
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income- & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Technology Hauz Khas,
New Delhi-110016.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1500/F. No. DG/IT(E)/CAL/ND-55/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 15 जनवरी, 1996

आयकर

का. ग्रा. 755.—मर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित भर्ती पर “विश्वविद्यालय” के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है।

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिरां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वापिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मङ्गोली गोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परोक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मङ्गोली गोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित अधिक्षय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हौज खास, नई दिल्ली 110016।

यह अधिभूतना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उन्नर्युस्त शर्ते (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुश्वाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकारी/आयकर निदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के मध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कनकना को तीन प्रतिवर्षों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए ग्रावेन-पत्र की 6 प्रतिवर्ष सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[स. 1501/एक्स.सं.भनि/प्राक्त छूट/एनडी 55/कल.35(1)(ii)/90]

आर. मिश्र, उप निदेशक

Calcutta, the 15th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 755.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the pur-

poses of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “University” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Technology, Hauz Khas, New Delhi-110016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1995 to 31-3-1996.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1501/F. No. DG/IT(E)/CAL/ND-55/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 15 जनवरी, 1996

आयकर

का.ग्रा. 756—मर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के मंडे (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा

निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग आर (ग) आयकर अधिकृत/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है श्रीर आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आयव्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: ट्रेन्टो फ्लैट गेन्वुरी इंडिया सोसाइटी,
2-ए, सेक्टर 19-ए मध्य मार्ग,
चंडीगढ़—160019.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकृत/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तोन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1502/एफ सं. म नि/आक/छूट/पी 3/कल./35(1)(iii)/89]

आर० सिंह, उपनिदेशक

Calcutta, the 15th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 756.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary,

Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Twenty First Century India Society, 2-A, Sector 19A, Madhya Marg, Chandigarh-160019

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

NOTES :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1502/F. No. DG/IT(E)|CAL|P-3|(35)(1)(iii)|89]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996

आयकर

कानून 757—सर्वभारतीय को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 का उपभारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन"

न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: सेंटर फॉर मटेरीयलस फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी, डिपटॉ ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी०जी०ओ० कम्पलेक्स, लोदी रोड, नयी दिल्ली-110003

यह अधिसूचना विनांक 3-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
 2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या: 1503/एफ०सं०म०नि०/आ०क० (छूट)/एन० ही० 106/35(1)(ii)/92]

आर० सिहू, उप निदेशक

INCOME TAX

Calcutta, the 18th January, 1996

S.O. 757.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Meh-

rauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION:

Centre for Materials for Electronic Technology, Department of Electronics, Electronics Nikatan, 6, C.G.O. Complex, Lodi Road, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 3-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

- (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1503]F. No. DG/IT(E)/CAL/ND-106/35(1)(ii)/92]

R. SINGH, Dy. Director

आयकर

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996

का०आ० 758.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब का भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम मेन्टर फोर मटेरीयलस फोर इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्नोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन 6, सी०जी०आ०० कम्पलेक्स, लोदी रोड, नवी दिल्ली-110003।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1504/एफ०स०म०नि०/आ०क०० (छूट)/एन० ई० 106/35(1)(II)/92]
आर०सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th January, 1996
INCOME TAX

S.O. 758.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Materials for Electronics Technology, Department of Electronics, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1504|F. No. DG|IT(E)|CAL|ND-106|35(1) (ii)|92]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996

आयकर

का०आ० 759.—संवर्धानारण को एतद्वा० रा० सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा;
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम डिकोसिपिन रिसर्च फाउंडेशन, 9/543, इडस्ट्रीयल इस्टेट, हंचलकरंजी-416115।
जि० कोलापुर

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1505/एफ०स०म०नि०/आ०क० (छूट)/
एम० 117/कल०/35(1)(ii)/90]

आर० सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 759.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Decospin Research Foundation, 9/543, Industrial Estate, Ichalkaranji-416115, DIST-Kolhapur.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations. (2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1505/F. No. DG|IT(E)|CAL|M-117|35(1)
(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996

आयकर

का०आ० 760.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित यत्तें पर "संस्थान" के संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा ।
- (ii) वह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, श्रोतोगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

नेशनल हर्टिकलचरल रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन, भगवानी भवन, 47, इण्डस्ट्रीयल एरिया, पंखा रोड, जनकपुरी, नवी दिल्ली-58

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-89 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धेनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 1506/एफ०स०म०नि०/आ०क० (छूट)/
एन०डी०-66/35(1)(ii)/90]

आर० सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 760.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under

Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Horticultural Research & Development Foundation, Bagwani Bhawan, 47, Industrial Area, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1992.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1506 (F. No. DG/IT(E)/CAL/ND-66/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director
(Exemptions)

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996
आयकर

का०आ० 761—सर्वसाधारण को ऐनद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुप्रोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वर्डियां रखेगा।

(ii) यह अगले वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का पारंपरिक विवरण प्रस्तुति वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू महरीनी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीन वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन्हें संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च क्रियाकलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम नेशनल हर्टीकलचरल रिसर्च प्रॉफेशनल फाउण्डेशन, बगवानी, शर्वन, 47, हॉटस्ट्रीप्लान परीक्षा पंचवा रोड, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 में 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को भुगताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1507 (एक०स०म०न्ति०/आ०क० (छूट)/
एन०डी०-६६/३५(1)(ii)/९०]
आर० मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th January, 1996
INCOME TAX

S.O. 761.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for

every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Horticultural Research & Development Foundation, Bagwani Bhawan, 47, Industrial Area, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1507 (F. No. DG/IT(E)/CAL/ND-66/35(1)(ii)/90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996

आश्वास

का०आ० 762.—निम्नलिखित संगठन को ग्रन्तद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के निए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मैरुरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर

आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त गंगड़न पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) गे दो गई रिमर्च क्रियाकलाप संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम नेशनल हर्टिकलचरल रिमर्च पाइ डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन, बागवानी भवन, 47, डण्डमुखीयन एरीया, पंखा रोड, जनकपुरी, नवी दिल्ली-110058

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : i. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

ii. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1508 (एफ०स०म०न०/आ०क० (छूट)/एन०डी० 66/कल०/35(1)(ii)/90] आर० मिह, उप निवेशक

Calcutta, the 18th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 762.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION:

National Horticultural Research & Development Foundation, Bagwani Bhavan, 47, Industrial Area, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-98.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1508|F. No. DG|IT(E)|CAL|ND-66|35(1) (ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 18 जनवरी, 1996

आयकर

फा०आ० 763 सर्वसाधारण को एतद्वारा गूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतों पर "संघ" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विभागीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वी०ए०बा०वा० नैयर चेरीटेबल हाँस्पीटल ए०ड टी०ए० मिडिकल कार्नेज रिसर्च सोमाइटी, डा० ए०ए० नैयर रोड, वम्बे-400008

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

507-GI/96-5

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1509 (एफ०स०म०नि०/आ०क० (छूट)/एम०-133/35(1)(ii)/90]

आर० सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 18th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 766.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax|Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION:

B. Y. L. Nair Charitable Hospital & T. N. Medical College, Research Society, D. R. A. L. Nair Road, Bombay-400008.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application

for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1509|F. No. DG|IT(E)|CAL|M-133|35(1)
(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 23 जनवरी, 1996

आयकर

का०आ० 764.—मर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित घटों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वायिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वायिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: श्री अर्द्धिद आश्रम ट्रस्ट,
पी०ओ० श्री अर्द्धिद आश्रम,
पांडीचेरी-605002।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-96 से 31-3-98 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त घटों (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र भी विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं 1514 /एफ न. म.नि./अ.क. (छूट)/पण्ड: 3/
कलकत्ता-35(i)(ii)-90]
आर० सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 28th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 764.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Ashram Trust, P. O. Sri Aurobindo Ashram, Pondicherry—605002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1996 to 31-3-1998.

Notes:—(1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1514|F. No. DG|IT(E)|CAL|Pond-
3|35(1)(ii)|90]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जनवरी, 1996

प्रायकर

कानून 765 संविधान को प्रत्यारोपण सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विद्वित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रत्येक लेखा-वर्हियों रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 की भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता—जोका, डायमण्ड हार्बर रोड, पीस्ट बाक्स नं० 16757 पी०एस० अलीपुर, पिन-700027।

यह अधिभूतना दिनांक 1-4-95 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संबंध" जैसा संबंध के लिए सामूह नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता बोर्डीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करें।

[मंज्ञा: 1510 /एफ०म०म०नि०आ०क० (छूट)/डक्यू० वी०-31/कल०/35(1) (iii)]
ग्राम. सिटू, ला निदेशक (छूट)

Calcutta, the 29th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 765.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Management, Calcutta-Joka, Diamond Harbour Road, Post Box No. 16757, PS, Alipore, Pin-700027.

This Notification is effective for the period from 1-4-95 to 31-3-96.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1510/F. No. DG/IT(E)/CAL/WB-31/35(1)

(iii)]

R. SINGH, Dy. Director

কলকাতা, 29 জনুয়ারী, 1996

আয়কর

কা০জ্ঞা০ 766.—সৰ্বসাধাৰণ কো এতদ্বাৰা সূচিত কীয়া জানা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35 কী উপবারা (1) কে খণ্ড (ii) কে নিয়ে আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহৃত প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শর্তোঁ পৰ “সংস্থান” কে সৰ্বৰ্গ কে অধীন অনুমোদিত কীয়া গয়া হৈঃ—

- (i) সংগঠন অনুসংধান কাৰ্যোঁ কে লিএ অলগ লেখা বহিয়াঁ রক্বেগা;
- (ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সংৰংশী কাৰ্যোঁ কা এক বাবিল বিবৰণ প্ৰত্যেক বিত্তীয় বৰ্ষ কে লিএ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 মৰ্জ তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ব ঔৰ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ, “গোৰামিকী ভবন”, ন্যু মেহৱালী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভেজোঁ; আৰু
- (iii) যহ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 অপূৰ্বতক লেখা-পৰীক্ষিত বাবিল লেখা কী প্ৰতি (ক) আয়কর মহানিদেশক (ছুট), (খ) সচিব বৈজ্ঞানিক তথা ঔৰ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ আৰু (গ) আয়কর আযুক্ত/আয়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পঢ়তা হৈ আৰু আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35(1) মেঁ দী গৰ্হ রিসচৰ্চ কীয়া গয়া সংৰংশিত ছুট কে বারে মেঁ লেখা-পৰীক্ষিত আয়-ব্যয় হিসাব কো ভী প্ৰস্তুত কৰেু।

সংগঠন কা নাম : তমিলনাড়ু এনজি ডেভলপমেন্ট এজেন্সী, টেম্পল টাৰ্ম, 25, নাঁৰ্থ মদা স্ট্ৰীট, মায়লৈপোর, মদাস-600004।

যহ অধিসূচনা দিনাংক 11-1-96 সে 31-3-97 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী : 1. উপৰ্যুক্ত শর্ত (1) “সংব” জৈমা সংবৰ্গ কে লিএ লাগু নহীঁ হৈগা।
 2. সংগঠন কো সুজ্ঞাৰ দিয়া জানা হৈ কি ব অনুমোদন কী অৰ্থাত বড়ানে কে লিএ আয়কর আযুক্ত/আয়কর নিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পঢ়তা হৈ কে মাধ্যম সে আয়কর মহানিদেশ (ক ছুট), কলকাতা কো তিন প্ৰতিয়োঁ মেঁ আবেদন কৰে, অনুমোদন কী অৰ্থাত বড়ানে কে সংবৰ্গ মেঁ কিএ আবেদন-পত্ৰ কী বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

[সংস্থা 1511 /এফ.সং. ম.নি./আ.কা. (ছুট)/
 টী.এন.-65/ কল০/35(1)(ii)]
 আৰোসিংহ, উপ নিদেশক

INCOME TAX

Calcutta, the 29th Januray, 1996

S.O. 766.—It is hereby notified for general information that the organization mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of

clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organization will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organization, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Tamil Nadu Energy Development Agency, Temple Tower, 25, North Mada Street, Mylapore, Madras-600004.

This Notification is effective for the period from 11-1-96 to 31-3-97.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organizations categorised as associations.

(2) The organization is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organization. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1511/F. No. DG/IT(E)/CAL/TN-65/35(1)
 (ii)]

R. SINGH, Dy. Director

কলকাতা, 29 জনুয়ারী, 1996

আয়কর

কা০জ্ঞা০ 767.—সৰ্বসাধাৰণ কো এতদ্বাৰা সূচিত কীয়া জানা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35 কী উপবারা (1) কে খণ্ড (ii) কে লিএ আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহৃত প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শর্তোঁ পৰ “সংস্থান” কে সৰ্বৰ্গ কে অধীন অনুমোদিত কীয়া গয়া হৈঃ—

- (i) সংগঠন অনুসংধান কাৰ্যোঁ কে লিএ অলগ লেখা বহিয়াঁ রক্বেগা।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रांद्योगिकी भवन, न्यू मेराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक अपार्टमेंटिल वार्षिक संख्या की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और, (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त गंगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई ग्रन्थि किया गया अंग्रेजिशन छूट के द्वारा में अपार्टमेंटिल आय-व्यय लिपाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: इंडियन इस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग,
इ-2 एम०आई०ड०सी० एरिया,
पोस्ट बॉक्स नं० 9432, अन्धेरी
(ईस्ट) बांधे०-400093।

यह अधिष्ठाता दिनांक 1-4-96 से 31-3-99 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त ग्रन्थि (1) "संबंधी" संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[फा.सं. 1512/एफ सं. म.नि./आ.का. (छूट)/एम-122/
काला०/35 (i)(ii)]

आर० सिंह, उप निदेशक

Calcutta, the 29th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 767.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General

of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Packaging, E-2, MIDC Area Post Box No. 9432, Andheri (East), Bombay—400093.

This Notification is effective for the period from 1-4-1996 to 31-3-1999.

Notes:—(1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1512/F. No. DG/IT(E)/CAL/M-122/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जनवरी 1996

आयकर

का०आ० 768.—सर्वसाधारण को एन्ड्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित ग्रन्थि पर "संस्थान" के संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अवधियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त गंगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त गंगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई

रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में
नेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।
संगठन का नाम एमोसिप्शन फोर रिसर्च इन
होमियोपैथी 1, आर्यदुर्ग सोमाइटी
तीव्र रोड,
वॉस्टे-400081।

यह अधिसूचना दिनांक 11-1-96 से 31-3-97 तक
की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए
लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुझब दिया जाता है कि वे अनु-
मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रान्-
विभार में संगठन पड़ता है के माध्यम से
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को
तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की
अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र
की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक तथा अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 1513/का.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एम.-179/कल/35(i)(ii)]
आर० सिंह, उप निदेशक

INCOME TAX

Calcutta, the 29th January, 1996

S.O. 768.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Association for Research In Homeopathy, 1,
Aryadurga Society Nawghar Road, Bom-
bay—400081.

This Notification is effective for the period from
11-1-1996 to 31-3-1997.

Notes:—(1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1513 (F. No. DG/IT(E)/CAL/M-179/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जनवरी, 1996

आयकर

का०आ० 769.—राष्ट्रसाधारण का एतद्वारा सूचित किया
जाता है कि निम्नलिखित मंगठन को, आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 35 की उपवारा (1) के त्रुटि (ii)
के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित
प्राविकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" के संवर्ग
के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग नेखा-
वहिया रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का
एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए
प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक
व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन
"न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को
भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेखा-परीक्षित
वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक
(छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक
'अनुसंधान विभाग' और (ग) आयकर आयुक्त/
आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रान्विकार
में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च
किया गया संबंधित छूट के बारे में नेखा-परीक्षित
आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम: इन्डेक्स रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट
लैंबांराटोरी, 102, विलांबोरी रोड,
गुद्धण्डी, भद्रास-600032।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-95 से 31-3-98 तक
की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए
लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुझब दिया जाता है कि वे
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्रान्विकार
में संगठन पड़ता है के माध्यम से
आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को

तीन प्रतियों में आवेदन कार्य, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 1515/फा. सं. म. नि./आ. क. (सूट)/कल०/टी. एन.
15/35(1)(ii)]

आर० मिह, उप निदेशक

Calcutta, the 29th January, 1996

INCOME TAX

S.O. 769.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income Tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income Tax/Director of Income Tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income Tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indhem Research & Development Laboratory,
102, Velachery Road, Guindy, Madras—
600032.

This Notification is effective for the period from 1-4-1995 to 31-3-1998.

Notes:—(1) Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicates and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 1515 (F. No. DG/IT(E)/CAL/TN-
15/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director

आदेश

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का. आ. 770:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) वाधारा 3 को उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/85/95—सी. शु.—8 दिनांक 12-7-1995 की यह निदेश जारी किया था कि श्री कैलाश चन्द्र लाखड़ा सपुत्र श्री केशुराम लाखड़ा, कमरा नं. 14, प्रथम तल लकड़ी मेनसन 272, एस. बी. एस. रोड, फॉर्ट बम्बई-1 (2) दुकान नं. 5 ग्राउण्ड फ्लोर, अस्सरा बिल्डिंग, 283 एस. बी. एस. रोड, फॉर्ट, बम्बई—1 को निश्चिक कर लिया जाए और केन्द्रीय कागागार, यरवदा में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कार्य करते से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पाम यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा 1 (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुनिम आयुक्त बम्बई के समझ हाजिर हो।

[फा. सं. 673/85/95-सी. शु.—8]

स्पष्ट चन्द्र, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 770.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/85/95-Cus. VIII dated 12-7-1995 under the said sub-section directing that Shri Kailash Chandra Lakhara S/o Sh. Keshu Ram Lakhra Room No. 14, 1st Floor, Lucky Mansion, 272, S.B.S. Road, Bombay-1 (ii) Shop No.5, Ground Floor, Apsara Building, 283, S.B.S. Road, Fort, Bombay-1 be detained and kept in custody in the Central Prison Yerawada with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 637/85/95-Cus. VIII]
ROOP CHAND, Under Secy.

ग्रांटा

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का. आ. 771—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/98/95—सी. शु. -8 दिनांक 18-11-1995 को यह निदेश जारी किया था कि श्री, मन्तोष रामेश्वर राऊत, 24 अलकानन्दा, दसवां गुलमोहर कामरोड न्यू विलेज पालौ स्कीम, जुहु, बम्बई—49, (2) कौशल्या नर्सिंग होम, प्रथम तल, रिक्स अपार्टमेंट्स लिंकिंग रोड, खैर, बम्बई—52 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, यर्वदा में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः यदि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के जासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त बम्बई के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/98/95—सी. शु. -8]
सप चन्द्र, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 771.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/98/95-Cus. VIII dated 18-11-1995 under the said sub-section directing that Dr. Santosh Rameshwar Raut, 24, Alknanda, 10th Gulamahar Cross Road, New Vile Parle Scheme, Juhu, Bombay-49 (ii) Kaushalya Nursing Home, 1st Floor, Rinku Apartments Linking Road, Khar, Bombay-52 be detained and kept in custody in the Central Prison Yerawada with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/ Director General of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette;

[F. No. 673/98/95-Cus. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

ग्रांटा

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का. आ. 772—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1971 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/138/95—सी. शु. 8 दिनांक 19-12-1995 को यह निदेश जारी किया था कि श्री रतन बगारिया सुपुत्र श्रीसी. डी. बगारिया, पै. -130, अशोक विहार, फेस-3, नई दिल्ली—110052 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में ताकि रखा जाए उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि कि पूर्वोक्त फरार व्यक्ति हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः यदि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के जासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. 673/138/95—सी. शु. -8]

ए. के. सिंहा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 772.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/138/95-Cus. VIII dated 19-12-1995 under the said sub-section directing that Shri Ratan Bagaria S/o Sh. C. D. Bagaria, A-130, Ashok Vihar, Phase-III, New Delhi-110052 be detained and kept in custody in the Central Prison Tihar, New Delhi with a view to preventing him from smuggling goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/138/95-Cus. VIII]
A. K. SINHA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का. आ. 773.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा.सं. 673/139/95-सी. शु.-8 दिनांक 19-12-1995 को यह निदेश जारी किया था कि श्री अलोक पी. गुप्ता सुप्रीम श्री पुष्पोन्नम दाम गुप्ता 5, वाराणी 69-वी नेपनसी रोड, बम्बई-400006 को निफ्ट कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, नासिक में अमिरझा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वार करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः श्रब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त बम्बई के समध लाजिर हो।

[फा. सं. 673/139/95-सी. शु.-8]
ए. के. सिन्हा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 773.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/139/95-Cus. VIII dated 19-12-1995 under the said sub-section directing that Shri Alok P. Gupta, S/o Shri Purushottam Das Gupta, 5, Varsha, 69-B, Napeansea Road, Bombay-400006 be detained and kept in custody in the Central Prison Nasik with a view to preventing him from smuggling goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/139/96-Cus. VIII]
A. K. SINHA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का.आ. 774.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा.सं. 673/263/91-सी. शु.-8 दिनांक 5-6-1991 को यह निदेश जारी किया था कि श्री शाहजह

ग्रामी खान, 123, खुराजीखास, दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कागामार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी का दुष्प्रेरण करने और तस्करित माल के परिवहन का काम करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोन्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निपादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि पूर्वोन्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[फा.म. 673/263/91-सी.शु.-8]
ए.के. निहाना, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 774.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/263/91-Cus. VIII dated 5-6-1991 under the said sub-section directing that Shri Shahzad Ali Khar, 123, Khuraji Khas, Delhi, be detained and kept in custody in the Central Prison Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods and engaging in transporting smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner/Director General of Police, Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/263/91-Cus. VIII]
A. K. SINHA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1996

स्टाम्प

का.आ. 775.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो स्टेट बैंक अफ बीकानेर एण्ड जयपुर डाग 8-2-1996 को आवंटित किए गए अस्ती करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के एक-एक लाख रुपये मूल्य के 0001 से 8000 तक की विभिन्न संख्या वाले एम बी बी जे बंध-पत्रों के स्वप्न में वर्णित प्रोमिजिझी नोटों की प्रकृति के अमरक्षण, विमोच्य, अपरिवर्तनीय बंध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[सं. 26/96-स्टाम्प-फा.म. 14/4/96-वि.क.]

एस. कुमार, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 26th February, 1996
STAMPS

S.O. 775.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the Unsecured, Redeemable, Non-Convertible Bonds in the nature of promissory notes described as SBBJ BONDS bearing distinctive numbers 0001 to 8000 of the value of Rupees One Lakh each, aggregating to Rupees Eighty Crores only allotted on 8-2-1996 by the State Bank of Bikaner and Jaipur are chargeable under the said Act.

[No. 26/96-Stamps-F. No. 14/4/96-ST]
S. KUMAR, Under Secy.

(राजस्व विभाग)
नई दिल्ली 27 फरवरी, 1996

(आयकर)

का.आ. 776.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “नमिलनाडू टेनिम एसोसिएशन, मद्रास” को 1995-96 से 1997-98 तक के कर-निधारण वर्षों के लिये निम्नलिखित रर्ती के अध्यधीन रहते हुए उक्त खंड के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निधारणी उमकी आय का इस्तेमाल अथवा उमकी आय का इस्तेमाल करने के लिये उमका मंचदान इस प्रकार के संचयन हेतु उक्त खंड (23) द्वारा यथा-संशोधित धारा 11 की उपधारा (2) तथा (3) के उपबन्धों के अनुरूप पूर्णतया

तथा अतन्यना उन उद्देश्यों के लिये करेगा जिनके लिये इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निधारिता उपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों में संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक छंग अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से उसकी निधि (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर अथवा किसी अन्य वस्तु, जिसे उपर्योग व्यंजन (23) के तीसरे परन्तुक के अधीन बोर्ड द्वारा अधिक सूचित किया जाये, के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशादान से भिन्न) का निषेध नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा भकेगा;

(iii) कर-निधारिता अपने गदर्श्यों को किसी भी तरीके से अपनी आय के किसी भाग का संविनाश अपने से संबद्ध किसी एसोसिएशन अथवा संस्था को अनुदान के ग्राहावा नहीं करेगा, और

(iv) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हों जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्राप्तिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अपने से नेखा-पुस्तिकार्यों नहीं रखी जानी हों।

[अधिसूचना सं. 9992/फा. सं. 196/3/96-
आयकर नि.-I]

एच. के. चाधरी, अवृत्त सचिव

New Delhi, the 27th February, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 776.—In exercise of the powers conferred by clause (23) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Tamil Nadu Tennis Association, Madras" for the purpose of the said clause for assessment years 1995-96 to 1997-98 subject to the following conditions, namely :—

(i) the assessee will apply its income, or accumulate it for application, in consonance with the provisions of sub-section (2) and (3) of Section 11 as modified by the said clause (23) for such accumulation wholly and exclusively to the objects for which it is established;

(ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture or any other article as may be notified by the Board under the third provision to the aforesaid clause (23) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11 ;

(iii) the assessee will not distribute any part of its income in any manner to its members except as grants to any association or institution affiliated to it ; and

(iv) this notification will not apply in relation to any income, being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9992/F. No. 196/3/96-ITA-I]
H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

(आयिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1996

का.आ. 777.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रसन्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की संस्तुति पर, एतद्वारा, घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियां) नियमावली, 1966 के नियम 10 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध श्री शारदा सहकारी बैंक लि., गुणे पर 31 मार्च, 1995 को समाप्त वर्ष के लिए उसके द्वारा उसके तुलन पर, लाभ-हानि लेखे एवं लेखा परीक्षक की रिपोर्ट समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के संबंध में लागू नहीं होंगे।

[सं. पफ. 1(4)/96-ए.सी.]
वी. ए. नारायणन, अवृत्त सचिव

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 27th February, 1996

S.O. 777.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act read with

Rule 10 of the Banking Regulation (Cooperative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Shri Sharda Sahakari Bank Ltd., Pune, in so far as they relate to the publication of their balance sheet and profit and loss account for the year ended 31 March, 1995 with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 1(4)/96-AC]

B. A. NARAYANAN, Under Secy.

नई विल्ली, 4 मार्च, 1996

का.आ. 778.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा, घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध, जहां तक वे नैनीताल बैंक लिमिटेड और साथ ही बरेली कापारेशन बैंक लिमिटेड में शेयर रखने से संबंध रखते हैं, बैंक आफ बड़ीवा पर 15 अगस्त, 1997 तक खागू नहीं होंगे।

[सं० एफ 15/8/96-बीओए]

बी.एल. सचेव, अधर सचिव

New Delhi, the 4th March, 1996

S.O. 778.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to Bank of Baroda upto 15th August, 1997 in so far as they relate to its holding shares in the Nainital Bank Limited and also in the Bareilly Corporation Bank Limited.

[No. 15|8|96-BOA]

B. L. SACHDEVA, Under Secy.

कार्यालय, आयकर आयुक्त परिषद बंगल-III

कलकत्ता, 23 नवम्बर, 1995

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 के अधीन आदेश पारित

का.आ. 779.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विशा में युद्ध सकाम बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, आयकर आयुक्त, परिषद बंगल-III, कलकत्ता, अपने अधीनस्थ धेताविकार संबंधित सभी पूर्व आदेशों का आधिक संशोधन करते हुए निम्न आदेश देता हूँ:—

बाड़ों के विद्यमान धेताविकार को निम्न समा तक रोक दिया जाता है:—

क. निर्धारण अधिकारी का निर्धारितों के बारे का धेताविकार सं. पदनाम

1. आयकर अधिकारी कम्पनी वार्ड-2(1)—सह-नये निर्धारितों (क) “ए” से “एल” तक आदाधारों के उपनाम बाले इस वार्ड के व्यष्टि के मामलों को छोड़कर अन्य सभी विद्यमान व्यष्टियों के मामले।

(ख) “ए” से “एल” तक आदाधारों के नाम बाले मामलों के अतिरिक्त (क) के अल्पगत आगे बारों को छोड़कर सभी विद्यमान मामले।

(ग) अपर/उप आयकर आयुक्त रेज-2 के प्रशासनिक एवं प्रारंभिक धेताविकार के अधीन “एम” से “जैड” तक आदाधारों के नाम बाले सभी नए कम्पनियों के मामले जिनका सभी तक कर निर्धारण नहीं हुआ है, और जिनकी रिटर्न आय/हानि रु. 50,000 से कम है।

(घ) सभी नए व्यष्टि मामले जिनके उपनाम “एम” से “जैड” तक के आदाधारों से भूल होते हैं तथा जो सभी तक कर के लिए निर्धारित नहीं किए गए हैं और जो अपर/उप आयकर आयुक्त रेज 2, के प्रशासनिक एवं केन्द्रीय धेताविकार में आते हैं, और जिनकी रिटर्न आय/हानि 2,00,000/- से कम है।

(इ) मामले जो कि समयन्यमय पर आयकर अधिनियम, 1961 के धारा 120/127 के अन्तर्गत सौधे जाएँगे।

2. आयकर अधिकारी कम्पनी वार्ड-2(2)—सह-नये निर्धारितों का बार्ड कलकत्ता

(क) “एम” से “जैड” तक आदाधारों के उपनाम बाले इस वार्ड के व्यक्तियों के मामलों को छोड़कर अन्य सभी विद्यमान मामले।

(ख) “एम” से “जैड” तक आदाधारों के नाम बाले मामलों के अतिरिक्त (क) अल्पगत आगे बालों को छोड़कर सभी विद्यमान मामले।

(ग) अपर/उप आयकर आयुक्त रेज 2 के प्रशासनिक एवं प्रारंभिक धेताविकार के अधीन “ए” से “एल” तक

प्राचाकारों के नाम वाले सभी नए कम्पनियों के मामले जिनका अभी तक कर निर्धारण नहीं हुआ है और जिनकी रिटर्न आय/हानि रु. 50,000/- से कम है।

(घ) सभी नए व्यष्टि मामले जिन के उपनाम "ए" से "एल" तक के प्राचाकारों से शुरू होते हैं तथा जो अभी तक कर के लिए निर्धारित नहीं किए गए हैं जो कि अपर आयकर आयुक्त रेंज 2, के प्रणासनिक एवं क्षेत्रीय केन्द्राधिकार में आते हैं और जिनकी रिटर्न आय/हानि रु. 2,00,000/- से कम है।

(ङ) मामले जो कि समय-समय पर आयकर अधिनियम 1961 के धारा 120/127 के अन्तर्गत सौंपे जायेंगे।

यह आदेश आज अर्थात् 23-11-95 से प्रभावी होगा।
[म. प. ब-III/मुख्या/17/95-96]
मुख्य दाम, आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX
W.B.-III
Calcutta, the 23rd November, 1995

ORDER UNDER SECTION 120 OF THE I.T. ACT, 1961

S.O. 779.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 120 of the I.T. Act, 1961 and all other powers enabling me in this behalf, I, the Commissioner of Income Tax, West Bengal-III, Calcutta, hereby order in partial modification of all earlier orders relating to jurisdiction over cases in the charge of C.I.T., West Bengal-III as below :

The existing jurisdiction of the Wards will be modified to the following extent :

Sl. No.	Designation of the Assessing Officer	Jurisdiction over classes of Assessee
1	2	3
1.	Income Tax Officer-Company Ward-2(1)-cum-New Assessee Ward, Calcutta.	<p>(a) All existing cases of individuals of this Ward excepting cases with surnames starting with alphabets "A" to "L".</p> <p>(b) All existing cases other than those falling under (a) above excepting cases with names starting with alphabets "A" to "L".</p> <p>(c) All New Company cases not hitherto assessed to tax with names starting with alphabets "M" to "Z" under the administrative and territorial jurisdiction of Addl./Deputy C.I.T., Range-2 where returned income/loss is below Rs. 50,000/-.</p>

(d) All new individual cases not hitherto assessed to tax with surnames starting with alphabets "M" to "Z" under the administrative and territorial jurisdiction of Addl./Deputy C.I.T., Range-2 where returned income/loss is below Rs. 2,00,000/-.

(e) Cases which may be assigned u/s. 120/127 of the I.T. Act, 1961 from time to time.

(a) All existing cases of individuals of this Ward excepting cases with surnames starting with alphabets "M" to "Z".

(b) All existing cases other than those falling under (a) above excepting cases with names starting with alphabets "M" to "Z".

(c) All new Company cases not hitherto assessed to tax with names starting with alphabets "A" to "L" under the administrative and territorial jurisdiction of Addl./Deputy C.I.T., Range-2 where returned income/loss is below Rs. 50,000/-.

(d) All new individual cases not hitherto assessed to tax with surnames starting with alphabets "A" to "L" under the administrative and territorial jurisdiction of Addl./Deputy C.I.T., Range-2, where returned income/loss is below Rs. 2,00,000/-.

(e) Cases which may be assigned u/s. 120/127 of the I.T. Act, 1961 from time to time.

This Order takes effect from today, i.e., the 23rd of November 1995.

[No. W.B.-III/Hqrs./17/95-96]
SUBRATA DAS, Commissioner of Income-tax

कार्यालय आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवम् सीमा शुल्क,

जगपुर, 27 फरवरी, 1996

सीमा-शुल्क

का.आ. 780:—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 152 के खण्ड (ए) के तहत भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली की अधिसूचना संख्या 33/94 सीमा शुल्क (एनटी) विनांक 1 जुलाई, 1994 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये में, महेन्द्र प्रसाद, आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद एवम् सीमा शुल्क, जगपुर एनक्स्ट्रांश शत-प्रतिशत ई.ओ.पू. स्थापित करने के उद्देश्य से सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 9 के अन्तर्गत राजस्थान राज्य के जोधपुर जिला की बिलाडा तहसील में स्थित रानसी गांव को भण्डारागार स्टेशन (वेयर हार्डिंग स्टेशन) घोषित करता है।

[क्र.सं. 1 सीमा शुल्क (एनटी)/96/का.सं. VIII (एच) 20/10/96/1984]
महेन्द्र प्रसाद, आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF CUSTOMS
& CENTRAL EXCISE

Jaipur, the 27th February, 1996

CUSTOMS

S.O. 780.—In exercise of the power delegated to the undersigned vide notification No. 33/94-Customs(NT) dated 1st July, 1994 by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi under Clause(a) of section 152 of the Customs Act, 1962, I, Mahendra Prasad, Commissioner of Customs, Jaipur hereby declare the village Ranigaon, in Tehsil Bilara, in the district of Jodhpur, State of Rajasthan, to be a warehousing station under section 9 of the Customs Act, 1962 for the purposes of setting up of 100 per cent Export Oriented Unit.

[No. 1 CUS(NT)96/C. No. VIII(H)20/10/96/1984]

MAHENDRA PRASAD, Commissioner

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1996

का.आ. 781:—राजनयिक कोंसलीं अधिकारी (ग्रपथ प्रवृत् शृंख) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वा) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का दूतावास रियाद में सहायक श्री डॉ. राजदुराई को 13 फरवरी 1996 से कोंसलीं एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता है।

[सं.टो.-4330/1/96]

प्रताप सिंह, अवर सचिव (पी.बी.एस.)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 14th February, 1996

S.O. 781.—In pursuance of the Clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri D. Rajadurai, Assistant in the Embassy of India Riyadh to perform the duties of Consular Agent with effect from 13th February, 1996.

[No. T. 4330/1/95]

PRATAP SINGH, Under Secy. (Cons.)

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का.आ. 782:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुमूचनों में उत्तितिना भूमि में कोयना अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक थोक (ग्रजन और विवास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिस दृष्टि में इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग करने हुए, उन देशों में कोयने का पूर्वोक्तन करने के अपने आण्य की सूचना देती है,

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले थोक के रेखांक सं. सी-1(इ)/III/जो. दार. /567-295 तारंड 21 अगस्त, 1995 का निरीक्षण, वेस्टर्न कोलकाता इस लि. (राजस्व विभाग) कोन एस्टेट, भिविल लाइन, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में, या कोयला नियंत्रक, 1, वाउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख के नद्वे दिन के भीतर, गाम्भाना/विभागाध्यक्ष (राजस्व), वेस्टर्न कोलकाता इस लि., सिविल लाइन, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) को भेजेंगे।

अनुसूची
सोनपुर खण्ड

पंच थोक

जिला छिद्रवाड़ा (मध्य प्रदेश)

[रेप्टिक नं. सी-I(६)/III/जी. प्रार./569-295, नारीय 21 अगस्त, 1995]

क्र. सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का सं.	तहसील	ज़िला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणिया
1.	सोनपुर	27	अमरवाड़ा	छिद्रवाड़ा	481. 500	भाग
2.	बहमनवाड़ा	27	गमरवाड़ा	छिद्रवाड़ा	316. 500	भाग
3.	पुरतला	31	अमरवाड़ा	छिद्रवाड़ा	31. 500	भाग
4.	मेजवाड़ा खुर्द	27	अमरवाड़ा	छिद्रवाड़ा	915. 000	भाग
5.	लाट गांव	43	अमरवाड़ा	छिद्रवाड़ा	28. 700	भाग
6.	बांकी	43	अमरवाड़ा	छिद्रवाड़ा	72. 400	भाग

कुल क्षेत्र: 1845. 900 हैक्टर

(नगमग)

या

4561. 40 एकड़ (नगमग)

सीमा वर्णन:

क-ख रेखा बिन्दु "क" भे आरंभ होती है और ग्राम मेजवाड़ा खुर्द और दिववानी की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग-घ रेखा ग्राम सोनपुर, बहमनवाड़ा और पुरतला से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ड-च रेखा ग्राम पुरतला, बहमनवाड़ा गांव नाटगांव रोहोकर जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।

च-छ-ज-झ रेखा ग्राम मेजवाड़ा खुर्द और लटगांव की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है, तब ग्राम बांकी से होकर आगे जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।

झ-क रेखा ग्राम मेजवाड़ा खुर्द और वन कथ मंड्या 738 और 737 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/22/95-एन. एम. डब्लू.]
पी. के. जी. नायर, अधिकारी, सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 782.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. C-1(E)III/GR/567-295 dated the 21st August, 1995 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) or in the office of the Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-charge/Head of the Department (Revenue), Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification.

**SCHEDULE
SONPUR BLOCK
PENCH AREA
DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

[Plan No. C-1(E) III/GR/567-295 dated the 21st August, 1995].

S. No.	Name of village	Patwari circle No.	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Sonpur	27	Amarwara	Chhindwara	481.500	Part
2.	Bahmanwara	27	Amarwara	Chhindwara	316.800	Part
3.	Purtala	31	Amarwara	Chhindwara	31.500	Part
4.	Sejwara Khurd	27	Amarwara	Chhindwara	915.000	Full
5.	Latgaon	43	Amarwara	Chhindwara	28.700	Part
6.	Bankee	43	Amarwara	Chhindwara	72.400	Part

Total area : 1845.900 hectares
(approximately)
or
4561.40 acres
(approximately)

Boundary description :

A—B Line starts from point 'A' and passes along the common village boundary of villages Sejwara Khurd and Dighawani and meets at point 'B'.

B—C—D Line passes through villages Sonpur, Bahmanwara and Purtala and meets at point 'D'.

D—E—F Line passes through villages Purtala, Bahmanwara and Latgaon and meets at point 'F'.

F—G—H—I Line passes along the common village boundary of villages Sejwara Khurd and Lalgaon, then proceeds through village Bankee, and meets at point 'I'.

I—A Line passes along the common boundary of village Sejwara-Khurd and Forest Compartment numbers 738 and 737 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/22/95—LSW]

P.K.G. NAIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का.आ. 783.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपांग अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभियान किए जाने की संभावना है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (शर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त जनित्रों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्त करने के अपने आपमय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र रेखांक सं. सी.-I(ई)/III/जी.आर./569-295, तारीख 21 अगस्त, 1995 का निरीक्षण वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (राजस्व विभाग) कोल इंस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 के कार्यालय में या कलकत्ता छिद्रवाड़ा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयना विंवक, 1, काउमिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी अभिन उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के भीतर, भार-साधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष, राजस्व वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि०, कोल इंस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 को भेजेंगे।

श्रीमुखी
नेहरिया ब्लाक
पंच क्षेत्र
जिला छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

[रेखांक सं. सी-I(६)/III जी.आर. 569-295, तारीख 21 अगस्त, 1995]

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी संकिल संख्यांक	बन कम्पार्टमेंट सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1	नेहरिया	18	—	पारासिया	छिंदवाड़ा	216.500	भाग
2.	नेहरिया सरकारी बन (पारासिया रेंज)	—	740	पारासिया	छिंदवाड़ा	264.260	भाग
		—	—	—	—	—	—
कुल क्षेत्र						480.760	
हैक्टेयर (लगभग)						प्रा	
1188.06 एकड़ (लगभग)							

सीमा वर्णन :

क-ख रेखा बिन्दु "क" से ग्राम छोटी है और गुनोर नदी के मध्य के साथ-साथ, नेहरिया और उर्ध्व ग्रामों, नेहरिया और नमुनिया ग्रामों, नेहरिया सरकारी बन कम्पार्टमेंट सं. 740 और नमुनिया ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा नेहरिया सरकारी बन कम्पार्टमेंट सं. 740 और सरकारी बन कम्पार्टमेंट सं. 739, नेहरिया सरकारी बन कम्पार्टमेंट सं. 740 और ग्राम नेहरिया की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है तथा बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ रेखा नेहरिया सरकारी बन कम्पार्टमेंट सं. 740 से होकर जाती है, उसके बाद ग्राम नहरिया से होकर आगे बढ़ती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-क रेखा नहरिया ग्राम से होकर जाती है, फिर नहरिया ग्राम और सरकारी बन कम्पार्टमेंट सं. 734 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ, गुनोर नदी के मध्य के साथ-साथ आगे बढ़ती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/18/95-एन.एल.डब्लू.]
पी. के. जी. नायर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 783.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan bearing No. C-I(E)III/GR/569-295 dated the 21st August, 1995 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) or in the office of the Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-charge/Head of the Department (Revenue), Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE
NEHERIA BLOCK
PENCH AREA
DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)

Plan No. C-I(E)III/GR/569-295 dated the 21st August, 1995

S. No.	Name of village	Patwari circle	Forest compartment number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
			number				
1.	Neheria	18	—	Parasia	Chhindwara	216.500	Part
2.	Neheria Government Forest (Parasia Range)	—	740	Parasia	Chhindwara	264.260	Part
Total area :						480.760 hectares (approximately) or 1188.006 acres (approximately)	

Boundary description :

A—B Line starts from point 'A' and passes along the centre of Gunor River, along the common boundary of villages Neheria and Urdhan; Neheria and Jamunia; Neheria Govt. Forest Compartment No. 740 and Jamunia and meets at point 'B'.

B—C Line passes along the common boundary of Neheria Govt. Forest Compartment No. 740 and Govt. Forest Compartment No. 739; Neheria Govt. Forest Compartment No. 740 and village Behria and meets at point 'C'.

C—D Line passes through Neheria Govt. Forest Compartment No. 740, then proceeds through village Neheria and meet at point 'D'.

D—A Line passes through village Neheria, then proceeds along the common boundary of Village Neheria and Govt. Forest Compartment No. 734, along the centre of Gunor River and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/18/95—LSW]
P.K.G. NAIR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का.आ. 784 :—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मन्त्रालय की अधिसूचना मंदिरांक का.का. 3498, तारीख 24 नवम्बर, 1994 के, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 17 दिसम्बर, 1994 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से सलग अनुसूची में वर्णित भूमि और भूमि में या उस पर के अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम को धारा 10 की उपधारा (i) के अधीन, सभी विलंगमों से मुक्त होकर, आन्यतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि., सैक्टोरिया, डाकघर दिसेरगढ़, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल) (जिसे इसमें इसके पश्चात सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निवासियों और शर्तों का जो केन्द्रीय सरकार इस निमित अधिरोपित करना उन्नित समझे, अनुपालन करने के लिए रजामंद है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मह निदेश देतो है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और भूमि में या उस पर के अधिकार, तारीख 17 दिसम्बर, 1994 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहते की बजाय, निम्नलिखित निवासियों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

(1) सरकारी कंपनी, उक्त अधिनियम के उल्लंघनों के अधीन अवधारित प्रतिकर, ब्याज, नक्सानी और बैंसी ही

मदों को बाबत किए गए सभी संदर्भों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।

- (2) सरकारी कंपनी द्वारा जर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेश रकमों का अवधारण करने के प्रयोगन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कंपनी वहन करेगी और इसी प्रकार, निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों, जैसे अपोल आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी सरकारी कंपनी वहन करेगी।
- (3) सरकारी कंपनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विशेष किसी कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, अतिपूर्ति करेगी।
- (4) सरकारी कंपनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी।
- (5) सरकारी कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशेष अवक्षेपों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फा. सं. 43015/2/90-एल.एस.डब्ल्यू]
पी.के. जी. नायर, अधिकारी, सचिव

ORDER

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 784.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India, in the Ministry of Coal, number S.O. 3498 dated the 24th November, 1994 in the Gazette of India Part II, Section-3, Sub-Section (ii), dated the 17th December, 1994 issued under Sub-Section (i) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and rights in or over the land described in the schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under Sub-Section (1) of Section 10 of the said Act.

And whereas the Central Government is satisfied that the Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, Post Office Dishergarh, District Burdwan (West Bengal) (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby direct that the said lands and rights in or over the said land so vested shall with effect from 17th December, 1994, instead of continuing to so vest in the Central Government, shall vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) The Government Company shall re-imburse to the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act.
- (2) A tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government company under conditions (1) and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals etc., for or in connection with the rights, in or over the said lands, so vesting, shall also be borne by the Government company.
- (3) The Government company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials, regarding the rights in or over the said lands so vesting.
- (4) The Government company shall have no power to transfer the said lands to any other persons without the previous approval of the Central Government.
- (5) The Government company shall abide by such direction and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary.

[No. 43015/2/90-LSW]
P. K. G. NAIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का.ग्रा. 785 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार को, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्तान करने के अपने आण्य की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र रेखांक सं. 568-295 तारीख 21 अगस्त, 1995 का निरीक्षण वेस्टर्न कोल-फील्ड्स लि. (राजस्व विभाग), कोल स्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 महाराष्ट्र के कार्यालय में या क्लिक्टर छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में हिस्पद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नर्कीणी, चाटी और अन्य वस्तावीजों को, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के भीतर, भारत साधक अधिकारी/विभागीय धर्थर (राजस्व) वेस्टर्न कोल-फील्ड्स लि., कोल स्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440 001 (महाराष्ट्र) को भेजेंगे।

अनुमूल्यी

धंकसा छांड

जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

(रेखांक सं. सी-1 (ई)/III/जी.ग्रा. /568-295, तारीख 21 अगस्त, 1995)

क्र. ग्राम का नाम सं.	पटवारी हल्का सं.	वन कक्ष संख्या	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1. बांकी	43	—	अमरवाड़ा	छिदवाड़ा	66.700	भाग
2. बेहरिया	43	—	अमरवाड़ा	छिदवाड़ा	186.200	भाग
3. शासकीय वन (परासिया रेंज)	—	737	परासिया	छिदवाड़ा	18.20	भाग
4. शासकीय वन (परासिया क्षेत्र)	—	738	परासिया	छिदवाड़ा	82.700	भाग
5. शासकीय वन (परासिया क्षेत्र)	—	739	परासिया	छिदवाड़ा	210.400	भाग

कुल क्षेत्र : 554.200 हेक्टर (लगभग)
या
1369.483 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क-ख-ग-प: रेखा बिन्दु "क" से आरंभ होती है और ग्राम पायली और शासकीय वन क्षेत्र सं. 739 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर शासकीय वन कक्ष सं. 739, 738 और 737 से होकर आगे बढ़ती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

घ-ड: रेखा शासकीय वन कक्ष सं. 737, 738 और ग्राम सेजवाड़ा खुर्द की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर ग्राम बांकी से होकर आगे बढ़ती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।

ड-च: रेखा बांकी और बेहरिया ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।

च-क: रेखा शासकीय वन कक्ष सं. 740 और ग्राम बेहरिया, शासकीय वन कक्ष संख्या 739 और शासकीय वन कक्ष सं. 740, शासकीय वन कक्ष सं. 739 और ग्राम जनुनिया की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, गुनरे नदी पार करती है, फिर शासकीय वन कक्ष संख्या 739 से होकर आगे बढ़ती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 785.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. C—1(E)III/GR/568-295 dated the 21st August, 1995 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Western Coalfields Limited, (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) or in the office of the Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue) Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification.

**SCHEDULE
DHANKASA BLOCK
PENCH AREA
DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)**

(Plan No. C—1(E) III/GR/568-295 dated the 21st August, 1995)

S. No.	Name of the village	Patwari circle number	Forest compartment number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Bankec	43	—	Amarwara	Chhindwara	66.700	Part
2.	Behriya	43	—	Amarwara	Chhindwara	186.200	Part
3.	Government Forest (Parasia Range)	—	737	Parasia	Chhindwara	18.200	Part
4.	Government Forest (Parasia Range)	—	738	Parasia	Chhindwara	72.700	Part
5.	Government Forest (Parasia Range)	—	739	Parasia	Chhindwara	210.400	Part
Total area:						554.200 hectares (approximately) or 1369.483 acres (approximately)	

Boundary description :

A—B—C—D Line starts from point 'A' and passes along the common boundary of village Paylee and Government Forest Compartment number 739, then proceeds through Government Forest compartment numbers 739, 738 and 737 and meets at point 'D'.

D—E Line passes along the common boundary of Government Forest compartment numbers 737, 738 and village Sejwara Khurd, then proceeds through village Bankec and meets at point 'E'.

E—F Line passes through village Bankec and Behriya and meets at point 'F'.

F—A Line passes along the common boundary of Government Forest compartment number 740 and village Behriya, Government Forest compartment number 739 and Government Forest compartment number 740, Government Forest compartment number 739 and village Jamunia, crosses Guner River, then proceeds through Government Forest compartment number 739 and meets at starting point 'A'.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
ग्रंथि पत्र
नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का. आ. 786.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन
(भूमि के उपयोग का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962
का 50) के खंड 2 की धारा (क) के अन्तर्गत पेट्रोलियम
और प्राकृतिक गैस भवालय, भारत के राजपत्र में श्री राजेश
वेदव्यास, विशिष्ट प्रविधक (निर्माण) के संवंध में 4-11-95
को प्रकाशित का. आ. म. 2894 दिनांक 19-10-95 के

अनुसार उम्मीदमूची के कालम-3 में दी गई इंदराज को
निम्नानुसार पढ़ा जाएः—

राजपत्र के अनुसार	निम्नानुसार संशोधित करके पढ़ा जाएः
मथुरा, आगरा बुलन्दशहर, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) और फरीदाबाद (हरियाणा)	मथुरा, श्रागग, बुलन्दशहर, गाजियाबाद और मुलानाहार तथा फरीदाबाद (हरियाणा)

[म. ए. 14016/18/93-जी. पी.]
अधैरेन्द्र सेन, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 786.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2894 dtd. 19-10-95 published on 4-11-95 under clause (a) of section 2 of the Petroleum & Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of Shri Rajesh Vedvyas, Sr. Manager (Constn.) the entry in column 3 of that schedule be read as follows:

As per Gazette

Mathura, Agra, Bulandshahr, Ghaziabad of U.P. &
Faridabad of Haryana

Be read as corrected below

Mathura, Agra, Bulandshahr, Ghaziabad and
Sultanpur of U.P. & Faridabad of Haryana

[No. L-14016/18/93—G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1996

का. आ. 787.—राजभाषा नियम, 1976 (संघ के
शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) के नियम 10 के उप-
नियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे
बोर्ड, दक्षिण पूर्व रेलवे के निम्नलिखित कार्यालयों को, जहां
कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है,
अधिसूचित करता हैः—

दक्षिण पूर्व रेल (नागपुर मंडल)

- मंडल चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, छिदवाड़ा
- मंडल चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, डोंगरगढ़

[सं. द्वितीय-96/रा. भा. - 1/12/1]
एस. सूर्यनारायण, मन्त्री, रेलवे बोर्ड एवं
पदेन अपर भवित्व

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 787.—In pursuance of sub-Rules (2) and
(4) of Rule 10 of the Official Language (Use for
the Official purposes of the Union) Rules, 1976
the Ministry of Railways (Railway Board) hereby
notify the following Offices of South Eastern Rail-
way, where the staff have acquired the working
knowledge of Hindi :—

S. E. Railway (Nagpur Division)

- Office of the Divisional Medical Officer, Chhindwara.
- Office of the Divisional Medical Officer, Dongargarh.

[No. Hindi-96/OL-I/12/1]

S. SURYANARAYAN, Secy. Railway Board &
Ex. Officer Addl. Secy.

श्रम भवानीय
नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1996

का. आ. 788.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नार्देन रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/2/89—ग्राइ आर वी ग्राइ]
पी. जे. माईकल, डैम्प अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th February, 1996

S.O. 788.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of N. Rly., and their workman, which was received by the Central Government on the 19-2-96.

[No. L-41012/2/89-IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 272 of 1989

In the matter of dispute between :—

Divisional Secretary
Uttar Railway Karamchari Union
39-II-J Multistorey Railway Colony
Charbagh, Lucknow

AND

Senior Divisional Mechanical Engineer.
Northern Railway
Hazaratganj, Lucknow.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-41012/2/89-D-2(B) dated 30th October, 1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

“Whether the Sr. Divisional Mechanical Engineer Locoshed Northern Railway, Lucknow was justified in discharging Sri Satish Chandra Pandey w.e.f. 25-2-86 as cleaner ? If not, what relief the workman was entitled ?”

2. The concerned workman Satish Chandra in his written statement has alleged that he was appointed as cleaner in Locoshed Northern Railway, Lucknow

on 5-4-79 and he continued to work upto 25-2-86, when he was sent for medical examination. He was declared unfit for all categories of job. If it was so the concerned workman ought to have been given job in the handicapped quota. Therefore, his retrenchment is violative of section 25F of Industrial Disputes Act, 1947.

3. The opposite party northern railway has filed written statement.

4. In support of his case, the concerned workman has filed his affidavit. The opposite party has not filed any evidence.

5. I think this case can be decided on the basis of admission made by the concerned workman. In his claim statement he himself has admitted that he was declared medically unfit for all categories of job. If it is so, in my opinion, his case is fully covered by IIIrd exception of sec. 2(oo) of Industrial Disputes Act, 1947, which says that if service of some one are dispensed with because of his continued ill health it will not amount to retrenchment. In my opinion, by the words “III Health” permanent medically fitness is covered. Hence, in view of this provision too, I am of the opinion that the termination of the concerned workman does not amount to retrenchment. As such question of breach of section 25F and 25G of Industrial Disputes Act, 1947, does not arise. As regards claim for absorption in the handicapped quota I am unable to consider it as it does not coverd by the reference.

6. In the end my answer to the reference is in the affirmative and consequently the concerned workman is not entitled for any relief.

7. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1996

का. आ. 789.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल रेलवे, ज्ञांसी के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41011/53/90—ग्राइ आर वी ग्राइ]
पी. जे. माईकल, डैम्प अधिकारी

New Delhi, the 19th February, 1996

S. O. 789.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Rly. and their workman, which was received by the Central Government on the 19-2-96.

[No. L-41011/53/90-IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 132 of 1991

In the matter of dispute between :—

PRESENT :

Rashtriya Chaturth Shreni Rail Mazdoor Congress,
2/236 Namneir, Agra.

AND

Chief Medical Superintendent
Central Railway, Jhansi.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-41011/53/90-I.R. (D.U) dated 11-8-91, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

“Whether the Chief Medical Superintendent C.R. Jhansi is justified in not regularising the services of S. Sri Sohan Lal, Dinesh, Ronilal, Sudama Prasad, Sattar as Safaiwala at Health Centre Bad, Mathura. If not, what relief the concerned workmen are entitled to?”

2. In their written statement the concerned workmen Sohan Lal, Dinesh, Ronilal, Sudama Prasad and Sattar have alleged that they have been working with the opposite party Central Railway some times from 1976. At last in 1984, they ought to have been regularised as they were working on permanent basis and regularly.

3. The opposite party has filed reply taking various pleas. Thereafter none of the parties adduced any oral or documentary evidence. Instead arguments were advanced.

4. In my opinion, in the absence of any admission of the case by the opposite party and further in the absence of any evidence, in support of claim statement, I have no hesitation in holding that the concerned workmen are not entitled for regularisation.

5. Hence my answer to the award is in the affirmative. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1996

का. आ. 790.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बनारस स्टेट बैंक लि. के प्रबंधित तंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपटे कों प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/149/89-आई आर वी आई]
पी. जे. माईकल, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 19th February, 1996

S.O. 790.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Banaras State Bank Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on the 19-2-96.

[No. L-12012/149/89-IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 92 of 1991

In the matter of dispute between :—

The Assistant General Secretary
U. P. Bank Employees Union
122/191 W-1 Saket Nagar,
Kanpur.

AND

General Manager
The Benares State Bank Limited
D-52/1 Luxa Road,
Varanasi.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-1/2012/149/89-I.R. (B-2) dt. 18-6-91 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

“Whether the action of the management of Farrukhabad Branch of Benares State Bank Ltd. in retiring Sri Ram Chandra Daftary w.e.f. 31-12-90 is justified and legal ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?”

2. The answer to the above reference rests on the finding about the date of birth of the concerned workman Ram Chander.

3. Admittedly, the concerned workman Ram Chander was inducted in the service of opposite party. The Benares State Bank Ltd., of Farrukhabad Branch, as, a peon. Age of retirement in the opposite party bank is 60 years.

4. The case of the concerned workman is that while entering in the service he has given his age date of birth as 25-11-1931. Hence in normal course he would have retired on 30-11-1991. Still the bank illegally retired him w.e.f. 31-12-90 treating his date of birth to be 15-1-1931 which is illegal.

5. The opposite party has filed reply in which it is alleged that the applicant in the provident fund form has given his date of birth as 15-1-1931 and has further mentioned his age in the leave application like

wise. The service record at Farrukhabad Branch was not properly maintained.

6. In the rejoinder the concerned workman has reiterated the averments made in the claim statement.

7. None of the parties have adduced any oral evidence. Instead the bank has relied upon the P. F. Form and the application for Leave Fare Concession. Whereas the concerned workman has relied upon the service record. As regards employees P. F. its copy is on record which has been filed alongwith the written statement. In it the date of birth is mentioned as 1-1-1931. The signatures of the authorities who have to verify the truthfulness of this entry are wanting. In its absence, I am of the opinion, that this form cannot be said to have been filed in in regular course of business and as such the concerned workman cannot be bound-down by this so called admission. The other paper Leave Fare Concession dt. 13-5-83. In it, the concerned workman has mentioned himself to be of 52 years. By calculation from this age estimate, he would have attained 60 years of age in May, 1991. Hence, according to this admission too the case of the concerned workman is not belied. On the other hand, there is copy of service record of the concerned workman in which the date of birth has been mentioned as 25-11-1931. In my opinion, mere assertion in the written statement that service record has not been properly maintained is not sufficient. Further it is not the case of the management that this service record has been manipulated. As this service record has been produced from the custody of the opposite party, I have no hesitation in relying upon it.

8. Consequently, relying upon the service record it is held that the date of birth of the concerned workman is 25-11-1931. As such he could not have been retired w.e.f. 31-12-90.

9. Accordingly it is held that his retirement from 31-11-90 is not justified and legal. Hence the concerned workman will be entitled for the pay and other incidental benefits from 31-12-90 upto the date of his retirement i.e. 30-11-91. The concerned workman shall also get Rs. 200/- as costs of the case.

10. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1996

का. आ. 791.—औद्योगिक विधाद अधिकार, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय भरकार इंडिपन एयर लाइन्स के प्रबंधतांत्र के संबंध नियोजकों और उनके कम्पार्टमेंट के बीच, अनुवध में निर्विट औद्योगिक विधाद में, केन्द्रीय भरकार औद्योगिक अधिकार (सं. 2), नुस्खे के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय भरकार को 19-2-96 की प्रातः हुआ था।

[संदर्भ नं-11012/22/92-आई आर (विविध) (कोल-1)]
ब्रज मोहन, डेक अधिकारी

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 791.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2) Mumbai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines and their workmen, which was received by the Central Government on 19-2-96.

[No. L-11012/22/92-IR(Misc)|Coal-I]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI
PRESENT :

Shri S. B. Parise Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/24 of 1993

Employers in Relation to the Management
of Indian Airlines

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Workman : Mrs. Pushpa Menon
Advocate.

For the Employer : Mr. K. B. Swamy Advocate.

MUMBAI, dated 2nd February, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-11012/22/92-IR(Misc) dated 12-3-93 had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

“Whether action of the management of Indian Airlines Bombay in refusing to grant accident leave to Shri K. K. Roy w.e.f. 12-4-90 to 12-5-90 is just, legal and proper ? If not, to what relief the workmen entitled?”

2. Shri K. K. Roy is the member of the AIATU, Bombay. He was appointed in M/s. Indian Airlines, as Aircraft Technician.

3. The company provides for staff transport from place of work to nearest railway station. Roy is resident of Vashi. He used to avail the said facility of staff transport from his place of work to the Kurla Railway station from where he would board a train to Vashi.

4. On 11-4-90 Roy the worker, after his duty hours availed of the staff transport and alighted in front of the Kurla Station. He and his friends

stopped at a tea stall for a cup of tea as there was time for the train to arrive. After taking tea while they were crossing over the railway bridge to the platform to catch the train he was attacked by some anti social elements apparently at the instance of the rival union. Roy was stabbed and sustained injuries. He was immediately admitted in the hospital and hospitalised up to 21-4-90. Doctor advised him rest till 12-5-90.

5. After resumption of duties Roy requested the authorities that he should be given accident and disability leave which is always sanctioned by the management if an employee meets with an accident during the course of his employment or during the journey to and from his residence and his work place. The management refused to sanction such a leave. His representation to the superiors was rejected. His salary for the above said period was deducted. It is prayed that the action of the management not to sanction him the entitled accident and disability leave for the said period i.e. from 12-4-90 to 12-5-90 is illegal. It is submitted that it may be granted to the worker along with other monetary benefits.

6. The management resisted the claim by the written statement Ex—'3'. It is averred that the workman Roy did not suffer any personal injury arising out of and in the course of his employment. As such he is not entitled to the accident and disability leave for that period. It is pleaded that the worker sustained the injuries as consequence of private quarrel and owing to certain other activities. It is submitted that a relevant time he was not active in his capacity as the employee of Indian Airlines and as such he is not eligible for grant of accident and disability leave. It is certain that the injury though sustained by him was not arising out of and in the course of his employment. It is submitted that from the First Information Report which was alleged by the worker it reveals that there was a threat to him by other union members and for which he should have taken care and diligence in protecting himself from such a threat. He had not done so. Under such circumstances the worker is not entitled to any reliefs as claimed.

7. The issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in refusing to grant accident leave w.e.f. 12-4-90 to 12-5-90 to K.K. Roy is just, legal and proper ?	Yes
2. If not, to what relief the workman is entitled to ?	Does not Survive

REASONS

8. To bolster up the case K.K. Roy examined himself at Ex—'6, and relied upon the documents which were filed alongwith Ex-5. As against that R. K. Kamat manager of Indian Airlines examined himself at Ex—'8'.

9. It is not in dispute that Roy availed the transport facility given by Indian Airlines from place of work to Kurla Station. On 11-4-90 after the duty hours were over Roy boarded the staff transport bus and alighted in front of Kurla Railways station. He alongwith his two colleague went to a tea stall near by for a cup of tea. They went there as there was still some time for the train to arrive for going to Vashi. It is also not in dispute that they were attacked by some anti social elements who stabbed Roy seriously and his two colleagues ran away from the place. Later on they took him to the Railway Police staton and from there to Sion Hospital. From there he was shifted to Nannavati Hospital by the company. He was hospitalised up to 21-4-90 and he was advised to take rest up to 12-5-90. The First Information Report given by Roy is at Ex—'5'1. Ex—'5'2 is the medical certificate given by the doctor of Nannavati hospital showing that he was indoor patient between 12-4-90 to 21-4-90 and thereafter he was advised to take rest for 15 days. Again there is an opinion certificate (Ex—5'3) which shows that he was again instructed to have one weeks more rest. Then there is a fitness certificate (Ex—5'4) to join duties on 14-5-90.

10. There appears to be dispute whether the injuries took place in a tea stall or on the bridge. But I find that it has little importance. It is because having a cup of tea on the way to the railway station which is near the railway station does not mean that the employee had changed his route from place of work to the railway station and had gone to some different place and the incident had occurred. It has to be accepted that the incident had taken place on his way from place to work to the railway station. Roy admits that he does not know what happened to the First Information Report he gave. From his cross-examination it appears that there was a union rivalry on one pension scheme. He was threatened and later on he was assaulted. Mrs. Menon the Learned Advocate for the worker argued that as the accident occurred arising out of and in the course of his employment the worker is entitled to accidental and disability leave for the relevant period. As against this Mrs. Kulkarni the Learned Advocate for the management argued that the incident occurred due to the enmity between two union or due to the private quarrels and it cannot be said that it has occurred arising out of and in the course of his employment.

11. In other words it is tried to argue on behalf of the worker that the injury which was sustained to Roy was due to the accident. Now it is necessary to see what is meant by accident.

12. Accident denotes sudden or unexpected event, mishap, misfortune, disaster. Strictly an occurrence can only be said to be an accident when it is due neither to design nor to negligence. For if an act be intentional it is clearly no accident; if it be the result of culpable negligence, then by due care it could have been avoided and the negligent person cannot be allowed to excuse himself by declaring it an accident. In this narrower sense if the word, an accident must be "nobody's fault". The word "accident" generally denotes an event that takes place without one's foresight or expectation. It is an event which proceeds from an unknown cause or is an unusual effect on a known cause.

13. From the testimony of Roy and that of Kamat it reveals that some group of persons attacked Roy and he was injured. From the definition of the accident which I have referred to above this finding of an attack on Roy cannot come under the purview of accident. As this is so he is not entitled to the leave which he is claiming.

14. Roy affirmed that there are two unions in the company. He is the founder member and office bearer of another union, particularly when the incident took place he was executive member. He and his family members received threats from the recognized union. He affirmed that the threats which were given to him were from the persons of the recognized union. But he had not filed any complaint to the police regarding the same. He informed the management regarding the threats. But it could be seen that in the First Information Report he had not disclosed the names of the persons who attacked him. From his testimony it reveals that he was aware of the situation that some thing would take place in respect of his life. It was necessary for him to take abundant precaution. The way he had gone for teak speaks that he had not taken precaution which he should have taken. He had not taken care and diligence in protecting himself from such a threat. Therefore, it has to be said that the injury which was caused to him was due to his negligence. Under such circumstances he is not entitled to the leave which he had claimed.

15. The Learned Advocate for the union placed reliance on Nanjamma (Smt.) & Ors. V. City Municipal Counsel 1982 II LLJ 310. That was a case where the Municipal Mistry while helping the Health Inspector in taking role call to sweepets was knocked down by a jeep and he had died on that spot. That itself goes to show that it was an accident. Therefore the ratio given in this authority has no application to the present circumstances.

16. The Learned Advocate for the Union while arguing the matter also submitted that in case of serpent bite such a leave was granted by the High Court. Again it has to be said Serpent Bite is an accident. Therefore, the principles laid down in that case also has no application.

17. Roy affirmed that there is a practice of the company for giving benefit to accident and disability leave. It is given to an employee of the company when any untoward incident occurs while on his way or return from duty or during the course of his duty. He had also given names of the persons to whom such benefit is given. It can be seen that the claims which were given to those persons could be said to be an accident. But from his testimony it does not appear that any body was given the claim when there was a fighting and injury. Under such circumstances it cannot be said that such a benefit was given to others and Roy is denied such benefit.

18. Kamat affirmed that injuries caused due to the trade union activities does not come within the purview of accident leave. From the testimony of Roy it appears that the sustained the injury due to the trade union activities. It is, therefore rightly argued on behalf of the management that he is not entitled leave which he asked for. For all these reasons I record my findings on the issue accordingly and pass the following order :

ORDER

1. The action of the management of Indian Airlines, Bombay in refusing to grant accident leave to Shri K.K. Roy w.e.f. 12-4-90 to 12-5-90 is just, legal and proper.

2. No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer
2-2-96.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1996

का. आ. 792.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार पलम रिमर्च के प्रबंधनताव के संबद्ध नियंत्रिकाओं और उनके कर्मकारों के बीच, अनवधि में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करता, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[मंस्त्रा नं. 42011/178/86-री-II (बी)]
के. श्री. वी. उर्मा, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 792.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Govt. Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Pulse Research Institute and their workmen, which was received by the Central Government on 19-2-1996.

[No. L 42011/178/86-D-II(B)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 57 of 88

In the matter of dispute between

The President,
Karamchari Sangh,
Delhi Anusandhan Nirdeshalaya,
85-A Azad Nagar G.T. Road, Kalyanpur,
Kanpur.

AND

The Director (Pulses),
Directorate of Pulse Research,
Kalyanpur Kanpur.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-42011/78/86-D-II(B) dated 25-3-88 has referred the following dispute for adjudication to this tribunal:—

Whether the action of the Directorate of Pulse Research in denying regularisation and equal pay for equal work in relation to 67 workmen (as shown in Annexure) is justified. If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?

2. As is obvious from the above the present reference is on the point of regularisation of the concerned workmen and their entitlement for equal pay for equal work, he is needless to narrate full facts of the case as the authorised representative for the concerned workmen has stated before the Tribunal on 2-2-96 the concerned workmen involved in the present case have been regularised by the management during the pendency of reference. In view of it reference to the effect of their regularisation has become infructuous.

3. Coming on the issue of equal pay for equal work, in view of above, I am of the view that the concerned workmen are entitled for equal pay for equal work from the date from which they have been regularised by the management.

4. Reference is answered accordingly.

Dated : 6-2-1996.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1996

का. अ. 793.—श्रीबोगक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का वांग 17 के अनुसार मे. केन्द्रीय सरकार द्वारा के प्रबन्धन के मानद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुदय में निश्चिट विवादित विवाद में औरोगिक अधिकरण, मद्रास के विपद का प्रकाशन दर्ज है, जो केन्द्रीय सरकार का 19-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संक्षा नं-40012/26/92-आई गार (वी व.)]

के. वी. वी. उन्नी, दैनिक अधिकारी

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 793.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Madras as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post Offices and their workmen, which was received by the Central Government on 19-2-1996.

[No. L-40012/26/92-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Tuesday, the 19th day of December, 1995

PRESENT :

Thiru N. Subramanian, B.A.B.L., Industrial Tribunal

Industrial Dispute No. 9 of 1993

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Superintendent of Post Offices, Virudhunagar).

BETWEEN

Shri V. Sunderarajan,
Athakulam,
Sivilliputhur Taluk-626 125

AND

The Senior Superintendent of Post Offices,
Virudhunagar Division,
Virudhunagar-626 001.

REFERENCE :

Order No. L-40012/26/92-IR(DU), dated 8-1-93, Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Monday the 4th day of December, 1995 upon perusing the reference, Claim and counter statements and all other material papers on record and upon

hearing the arguments of Miss Jothivani, Advocate appearing for the Workman and of Smt. C. K. Vishnupriya, Addl. Central Government Standing Counsel, for the Management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

The Government of India, by its Letter No. L-40012/26/92-IR(DU), dated 8-1-93, referred for adjudication u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 before this Tribunal regarding the dispute :

"Whether the action of the Superintendent of Post Offices, Virudhunagar is justified in terminating the services of Shri V. Sundarajan ? If not, what relief he is entitled to ?"

2. The case of the petitioner is as follows :

The petitioner was selected and appointed as Extra Departmental Branch Post Master at Attikulam, Branch Office on permanent basis. He was selected through District Employment Exchange at Virudhunagar. The petitioner took charge on 7-7-89. He was drawing a sum of Rs. 619 per month when he was terminated from service. While so, the petitioner was discharged from his duty on 14-11-90 all of a sudden without issue of any notice, or a formal order. He has served the respondent department for a period of 482 days continuously without any break. The petitioner was neither served with one month notice nor paid one month notice pay before his termination. The termination is illegal and in violation of principles of natural justice. The petitioner approached Regional Commissioner for conciliation. The respondents 1 and 2 have filed their reply stating that due to some infirmities in the selection of the petitioner, the Director of Postal Services, cancelled the selection of the petitioner and ordered fresh selection. The respondent ought to have complied with the requirement u/s 25-F of the I.D. Act, before terminating the services, since the petitioner is a workman as described under the Act, he was not given any kind of opportunity to defend his case or to give explanation. The termination of the petitioner is contrary to principles of natural justice. Hence the dispute has been raised. The Tribunal may be pleased to pass an award to set aside the discharge of the petitioner and to reinstate him in service with full back wages and other attendant benefits.

3. The respondent filed their counter statement contending that the District Employment Officer, Virudhunagar, sent a list of 15 names dated 21-3-89. All the 15 applicants were asked to apply. Last date for receipt of the application was 20-4-89. Only 4 applications were received in time. Two applications were received after last

date. One registered letter addressed to the petitioner was received back undelivered. Four application received within the date were sent to Assistant Superintendent of Post Offices, Rajapalayam for field verification. The blank unfiled application of the petitioner was also sent due to oversight to the petitioner. The Assistant Superintendent of Post Offices got the application filled up by the petitioner and verified all the applications and sent his report. On the basis of the said report, the petitioner was selected and appointed as Branch Post Master. On receiving that the selection of the petitioner was irregular the matter was enquired into and the Director of Postal Services called for a report. Accordingly the case file was sent to the Director of Postal Services. He after consideration of the relevant records, due to the infirmity set aside the selection and ordered fresh selection. Thus the service of the petitioner was terminated on 14-11-90. The said termination is absolutely legal and justified. The petitioner was working as a Branch Post Master, Attikulam Branch Post Office from 8-7-89 to 14-11-90 for a period of one year, 4 months and 4 days. The fact of termination is within the exclusive knowledge of the petitioner. The termination was resorted due to the fact that the petitioner's selection was irregular. Further no notice is necessary since the petitioner has not worked for 3 years. The provisions contained in Rule 6 of the Postal and Telegraph Extra Departmental Agent (Conduct & Service) Rules, 1964 was involved for termination. The services of the petitioner was terminated in execution of the order passed by the competent authority. The provisions of Section 25-F has no application. Since the selection of the petitioner itself was irregular, the petitioner has no legal right over it. Hence the claim of the petitioner may be dismissed with cost.

4. By consent, Exs. W-1 to W-7 and M-1 and M-2 were marked. Arguments of both sides were heard.

5. The Point for consideration is : Whether the action of the Supdt. of Post Offices, Virudhunagar is justified in terminating the services of Shri V. Sundarajan ? If not, what relief he is entitled to ?

6. The Point : The petitioner was selected through District Employment Office by the Superintendent of Post Offices for the post of Branch Post Master-cum-Post Master at Attikulam by order dated 28-6-89, Ex. W-3. He was directed to take charge on 7-7-89. Accordingly the petitioner took charge on 7-7-89 as Branch Post Master at Attikulam. All of a sudden his services were terminated w.e.f. 14-11-90 and he was relieved on the same day under Ex. W-4. The petitioner made a representation Ex. W-10 on 16-11-90 asking for the order of termination from the Superintendent of Post Offices Virudhunagar Division Ex. W-5 is the order of termination dated

21-11-90 terminating the petitioner on the afternoon of 14-11-90. The petitioner filed a Conciliation petition before the Conciliation Officer Ex. W-6. Ex. W-7 is the reply filed by the respondents. According to the petitioner he had worked for more than 240 days continuously in a year prior to his date of termination. It is also admitted by the respondent in his counter that the petitioner had worked from 8-7-89 to 14-11-90 for a period of 1 year, 4 months and 4 days. Admittedly before order of termination no notice was issued or one month notice pay was given to the petitioner. No charge memo was issued to the petitioner. So, according to the petitioner's counsel, the order of termination will amount to retrenchment and so the respondent should have followed the procedure prescribed u/s. 25-F of the I.D. Act. U/s. 25-F no workman employed in any industry, who has been in continuous service for not less than 1 year would be retrenched by that employer until the workman has been given one month notice in writing indicating the reasons for the retrenchment and the period of notice has expired or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for such period of notice. Under Sub-section 2 the workman has to be paid compensation which will be equivalent to 15 days average pay for every completed year. Admittedly, the conditions prescribed u/s. 25-F was not followed by the respondent.

6. On the other hand it is contended by the respondent, the selection of the petitioner was irregular. According to the respondent 4 applications were received in time from the candidates and the petitioner's application was returned undelivered in blank. The four applications were sent for field verification to the Assistant Post Master. By mistake, the petitioner's application was also sent. The Assistant Post Master got the blank application filled up by the petitioner and verified the same and filed his report. The petitioner was selected. Subsequently, it was found that the application of the petitioner was not received in time. So, his selection was irregular. Therefore, he is terminated from service. Even taking for argument sake, the selection is irregular, even then the notice must be given before the termination stating the circumstances under which his services has to be terminated. No notice was issued to that effect. Further respondent relied on Clause 6 of the Extra Departmental Agent (Conduct & Service Rules). Clause 6 of the Rules reads as follows : "The service of an employee who has not already rendered more than 3 years of continuous service from the date of his appointment shall be liable to termination by the appointing authority at any time without notice." Under the said Rule, the Director of Postal Services is empowered to terminate the services of the petitioner who has put in less than 3 years continuous service. It is argued by the petitioner's counsel Ex. M.2, Rule 6 of the Extra Departmental Agent (Conduct & Service Rules) is only an ad-

ministrative instruction and rules framed for the conduct of the employees. These rules will not have superseding power over the provisions of the Statute. There is no dispute that the petitioner is a workman as defined under the Industrial Disputes Act. Therefore, the provisions of the I.D. Act is applicable to the petitioner before he is terminated from service. So, the provisions of Sec. 25-F of the Industrial Disputes Act is applicable to the petitioner and the respondent ought to have followed the procedure before terminating the services of the petitioner. Since the respondent did not follow the procedure of Sec. 25-F, the termination is illegal and the petitioner is entitled for reinstatement. So, the order of termination is liable to be set aside as it was not passed following the provisions of the I.D. Act.

In the result, an award is passed setting aside the order of termination of the petitioner dated 14-11-90. The respondent is directed to reinstate the petitioner in service with full back wages and other attendant benefits. No costs.

Dated, this the 19th day of December, 1995.

THIRU N. SUBRAMANIAN, Industrial Tribunal
THIRU N. SUBRAMANIAN,
Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For Workman :

W.W.1 : Thiru V. Sundararajan.

For Management : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

Ex. W-1 : Office Order (Xerox copy).
W-2|4-12-89 : Intimation from Employment Exchange (Xerox copy).

W-3|28-689 : Order of Selection issued to the Workman for the post of Branch Post Master-cum-Post Master (Xerox copy).

W-4|14-11-90 : Charge sheet issued to the workman (Xerox copy).

W-5|21-11-90 : Order of termination (Xerox copy).

W-6|12-2-91 : Petition filed by the workman before the Conciliation Officer (Xerox copy).

W-7|15-5-91 : Reply by the Management filed before the Conciliation Officer (Xerox copy).

W-8|29-12-89 : Representation of the workman (Xerox copy).

W-9|2-1-90 : Representation of the workman (Xerox copy).

W-10|16-11-90 : Representation of the workman (Xerox copy).

for Management :

Ex.M.1 : Inspection report of Postal service Official (Xerox copy).

M.2 : Extract of Extra Departmental Agent Conduct & Service Rules (Xerox copy).

नई दिल्ली, 20 फरवरी 1996

का. आ. 794.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलिग्राफ के प्रबंधनव के संबंध नियोजको ओर, उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आद्योगिक अधिकरण, चाण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय संचार की 20-2-96 का प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/44/93-आई आर (डी.ग.)]
के. वी. वी. उम्मी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 794.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telegraph and their workman, which was received by the Central Government on 20-2-1996.

No. L-40012/44/93-IR(DU)]
K.V.B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI S. R. BANSAL, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH
CASE NO. ID 169/94

Madan Lal son of Shri Tara Chand, Gali No. 13, House No. B-IV-950, Nai Abadi, Abohar, Punjab . . . Workman

Vs.

District Manager, Ferozepur Telecommunication Ferozepur, Punjab . . . Respondent

For the Workman : Workman in person.

For the management : None.

Central Government vide letter bearing No. 40012 44/93-IR(DU) dated 20th November 1994, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the Divisional Engineer Telegraph, Ferozepur in terminating the service of Shri Madan Lal son of Shri Tara Chand w.e.f.

30-6-87 is legal and justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled and from what date?"

On receipt of the reference, notice were issued to the workman as well as to the management. Today the case was fixed for filing of the claim statement by the workman. Today the workman appeared and made the following statement :—

"I have no evidence to produce. I do not want to proceed with the reference. My evidence may be treated as closed."

In view of the statement made by the workman recorded above, the reference is answered against the workman.

Appropriate Government be informed accordingly.

Chandigarh
24-1-1996

S. R. BANSAL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1996

का. आ. 795.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार राजघाट डेम प्रोजेक्ट बेटवा नीवर बोर्ड के प्रबंधनव के संबंध नियोजकों ओर उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार की 19-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/124/93-आई आर (डी.ग.)]
के. वी. वी. उम्मी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th February, 1996

S.O. 795.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajghat Dam Project Betwa River Board and their workman, which was received by the Central Government on 19-2-96.

[No. 42012/124/93-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B.K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR
Industrial Dispute No. 149 of 1995

In the matter of dispute
BETWEEN

General Secretary,

Workcharge Karamchhari Sangh,
Betwa River Parishad,
Raighat Bandh Pariyojana,
Rajghat, Lalitpur.

VERSUS

Chief Engineer,
Rajghat Bandh Pariyojana,
Betwa River Board,
Nandanpura,
Jhansi.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-42012/124/93-L.R.(DU) dated 30-11-95, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

“Whether the action of the management of Rajghat Dam Project Betwa River Board in refusing to regularise the services of Shri Sita Ram, Gateeman at present a workcharge employee as a regular employee of the Board ? If not, to what relief is the concerned worker entitled to ?”

2. In spite of repeated opportunities, having been given to the concerned workman, he neither filed any claim statement nor put in appearance in the Tribunal. It appears that he is not interested in the case.

3. Hence my answer to the reference is in the affirmative and against the concerned workman for want of proof. He has not entitled to any relief.

4. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

का. आ. 796.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ओ. एन. जी. सी. के प्रबंधनवाले के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अन्वंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-1-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20040/63/94/आई. आर. (सी-1)]

ब्रज मोहन, डैम्स अधिकारी

New Delhi, the 22nd February, 1996

S.O. 796.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of ONGC and their workman, which was received by the Central Government on the 30-1-96.

[No. L-20040/63/94-IR(C-I)
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B.K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 136 of 1995

In the matter of dispute

BETWEEN

Sri Ashwani Kumar Shukla,
S/o Sri Devinder Shukla,
C/o LC Verma House No. 212,
Sirpre Tee Estate Lapharwala,
Kaulagarh Road, Dehradun.

AND

The General Manager (P),
Oil & Natural Gas Corporation Ltd.,
Tel Bhawan, Dehradun.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its Notification No. L-20040/63/94-IR(C-I) dt. 22-11-95 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

“Whether the action of the management of the ONGC in terminating the services of Sri Ashwani Kumar Shukla S/o Devinder Shukla w.e.f. 13-11-86 is legal and justified ? If not to what relief is the workman entitled ?

2. In the instant case the concerned workman has not filed written statement despite availing of sufficient opportunities. It thus appears that the concerned workman is not interested in prosecuting his case.

3. In view of above, the reference is answered in affirmative and the concerned workman is not entitled for any relief for want of pleadings.

Reference is answered accordingly.

4. Reference is answered accordingly.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का. आ. 797.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ने, बी. सी. एन. की वगरी कालियरी के प्रबंधनवाले के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अन्वंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-2-96 पर प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/38/91-आई. आर. (कोल-1)]
ब्रज मोहन, डैम्स अधिकारी

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 797.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 22-2-96.

[No. L-20012/38/91-IR(Coal-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak,
Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under
Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.
Reference No. 115 of 1991

PARTIES:

Employers in relation to the management of
Bararee Colliery of M/s. B.C.C.L. and
their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. Mukherjee, Advocate.
On behalf of the employers : Shri H. Nath, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal
Dated, Dhanbad, the 16th February, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/38/91-IR.(Coal-I), dated, the 24th July, 1991.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bararee Colliery of M/s. BCCL P.O. Bhulanbararee, District Dhanbad in dismissing Shri Aamavtar is justified? If not, to what relief the workman is entitled for ?

2. In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. and documents. Thereafter the case proceeded along its course. Subsequently when the case was fixed for evidence of

parties Shri D. Mukherjee representing workman submits before me that he is not interested to pursue this case and accordingly prayed to pass a 'No dispute' award. Shri H. Nath, Advocate representing the management raised no objection if a 'No dispute' award is passed in this reference. Therefore, I have no other alternative but to pass a 'No dispute' award in this reference under the circumstances.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का. आ. 798.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के कापासारा क्षेत्र की श्यामपुर “बी” कोलियरी के प्रबंधनत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण (स. 2) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल 20012/340/86-डी 3(ए)/आई आर (कोल-1)]
ब्रज मोहन, डैस्क्रीप्टर

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 798.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Disputes between the employers in relation to the management of Shyampur-B Colliery of Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 20-2-1996.

[No. L-20012/340/86-D.III(A)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under
Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947
Reference No. 206 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Shyampur-B Colliery of Kapasara Area
of M/s. Eastern Coalfields Limited and
their workmen.

APPEARANCE:

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Advocate

On behalf of the employers—None

STATE : Bihar **INDUSTRY : Coal**
Dated. Dhanbad, the 12th February, 1996

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(340) 86-D.III(A), dated the 14th July, 1987.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Shyampur-B Colliery of Kapasara Area of M/s. Eastern Coalfields Limited and superannuating Smt. Nichubala Dutta, Cieech Aye of Shyampur-B Colliery with effect from 30-7-1985 is justified? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. To meet the aforesaid reference the concerned workman filed W.S. stating inter alia that she was employed as permanent workman in the capacity of Aya in Shyampur 'A' Colliery of E.C.L. on 1-10-56. Thereafter she was transferred to Shyampur 'A' Colliery of the same management. Further case of the concerned workman is that at the time of her initial appointment her date of birth was recorded in the Form B Register as 1930 and the said record was handed over to the successor employer at the time of taking over charge after nationalisation. Though her identity card shows her year of date of birth as 1930 and the appointment is also shown as 1-10-56 but in the Form B Register it is written otherwise. The said transfer took place in the year 1976 and since then she is working in Shyampur 'B' Colliery which under the Kapasara Area. The Last Pay Certificate forwarded to the management of Shyampur 'B' Colliery was not properly filled up by the management of Shyampur 'A' Colliery and the date of birth of the concerned workman were kept vacant and thereby in the Form B Register maintained in B Unit her age was recorded as 46 years as on 1-10-76 showing her date of appointment as 1-10-56. Though she apparently does not look of such age as shown in the Form B Register and it was in variation shown in the identity card issued in her favour by the management himself without observing the formalities as stipulated in the NCWA. She was all on a sudden stopped from the work with effect from 30-7-85 by way of superannuation which is against law and against record.

3. It is the case of the workman that she approached the sponsoring union who raised dispute

before the ALC(C) but conciliation failed and the matter was referred to this Tribunal by the Ministry of Labour for adjudication of the aforesaid reference.

4. Lastly it is prayed that the said order of superannuation on and from 30-7-85 is arbitrary, illegal unjustified and she has prayed an Award for her reinstatement for the remaining period with full back wages from 31-7-85 till her actual date of retirement to be taken place on 30-7-90 when she attained the age of 60 years.

5. Similarly the management has also filed their W.S. admitting that the concerned workman to be the Aya initially appointed in the company and thereafter after nationalisation in the year 1973. She was considered to be the staff of the E.C.L. It is also not disputed that the age of superannuation is 60 years. But the case of the management is that her date of appointment on 1-10-1956 and she was then 48 years old and was literate and the Form B Register were written to her knowledge with her signature and thus it is too late to urge that it was wrongly recorded and thereby her superannuation with effect from 30-7-85 was fully justified and she is not entitled to get any relief. It is denied that her year of birth was recorded as 1930 and thereby it is stated that the concerned workman is not entitled to get any relief.

6. In the rejoinder the workman denied the fact that her age was 46 years as on 1-10-56 and her termination on 30-7-85 instead of 30-7-90 was arbitrary illegal and unjustified.

7. After filing W.S.-cum-rejoinder by both the parties the matter was taken up for hearing. But none appeared on the date of hearing from the side of the management. Accordingly the evidence of the concerned workman was taken on 21-12-95 and as no evidence was adduced by the management nor any appearance was made by any of the representative the matter was heard.

8. At the present moment though the management has filed the W.S.-cum-rejoinder and the photo copies of the Form B Register but the same do not come to the help of the management, as none appeared for the management and no challenge was made from the side of the management, as regards case of the workman.

9. The concerned workman has been examined on oath and she stated that she was an employee of Shyampur A Colliery and in the Form B Register maintained therein her year of birth was recorded as 1930. The identity card also bears the same year of birth and the same has been marked as Ext. W-1. As she had not been cross-examined her evidence both oral and documentary remained unchallenged.

10. In view of such facts and circumstances this Tribunal has no other alternative then to accept

the unchallenged evidence both orally and documentary of the concerned workman when specially no cogent reason appears to discard the said materials and thereby relying upon the documentary evidence marked Ext. W-1 issued by the management himself and the non-supply of the Form B Register of Shyampur 'A' Colliery and also for not challenging the oral and documentary evidence referred to above I accept the version of the workman and hold that her year of birth as 1930 i.e. 1-7-1930 and thereby she was to retire after completion of 60 years on 30-7-1990 instead of 30-7-1985.

11. Now we are in the year 1996 while the case is going to be disposed off and the award is going to be passed. So it is fruitless to pass an order of reinstatement as though there are ample materials to hold that the order of superannuation as alleged and stated was beyond record and unjustified. So the Award is passed in the following terms and conditions in response to the reference made by the Ministry of Labour.

12. It is held that the order of superannuation of the concerned workman Nichubala Dutta and her superannuation by the management with effect from 30-7-85 instead of 30-7-90 by the management of Shyampur 'B' Colliery of Kapasara Area of M/s. E.C.L. to her working as Creche Aya of Shyampur 'B' Colliery with effect from 30-7-85 is unjustified. As she was eligible to continue her service till 30-7-90 considering her year of birth to be 1930 and considering the number of counting of year of superannuation. So though no order of reinstatement is passed under the present circumstances, the management is directed to make payment of wages and consequential benefits therefrom after 30-7-85 till 30-7-90 within one month from the date of publication of the Award. The management is directed to implement the Award within the stipulated time as stated.

This is my Award.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का. आ. 799.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनृसरण में, केन्द्रीय सरकार ए. एन. जड. ग्रिन्डलेज बैंक के प्रबन्धतात्त्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस 12011/36/92 (आई आर बी)]

पी. जे. माइकल, डैस्क प्रधिकारी

507 GI/96—10.

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 799.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of ANZ, Grindlays Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-2-96.

[No. L-12012/36/92-IRB]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT.
INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. NO. 89/92

In the matter of Dispute

BETWEEN

Workmen Represented by
All India Grindlays Bank Employees Federation
90, Mahatma Gandhi Road,
Bombay-400 001.

Versus

Management of ANZ Grindlays Bank Plc,
90, Mahatma Gandhi Road,
Bombay-400 001.

APPEARANCES :

Shri Rama Nand—for the workmen
Shri Vikrant—for the management

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12011/36/92-I.R. (B-3) dated 14-9-92 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the Management of Grindlays Bank is justified in changing the norms for recruitment of sub-staff by introducing written test and by reducing the age of recruitment for clerical staff from 28 to 25 years? If not, to what relief the employees are entitled to?"

The parties in this case have settled the dispute and made statement accordingly in the court. In view of this statement no dispute exists between the parties and accordingly application filed by the workmen a No dispute award is given in this case. Parties shall bear their own costs.

30th November, 1995

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का. आ. 800.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल 12012/165/85-आई. आर.बी.आई.]
पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 800.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI and their workman, which was received by the Central Government on 20-2-96.

[No. L-12012/165/85-IRBII]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
PANDU NAGAR KANPUR

Industrial Dispute No. 101 of 1986

In the matter of dispute between :

Sri Shyam Lal Kashyap
C/o Sri O.P. Nigam
295/387 Deen Dayal Road,
Ashrafabad Lucknow

AND

Chief Regional Manager
Local Head Office
State Bank of India
Halwasiya Place
Hazaratganj Lucknow

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/165/85-D.II(A) dt. 16-6-86, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

Whether the action of the management of State Bank of India in relation to its Local Head Office Hazaratganj, Lucknow, in terminating the services of Sri Shyam Lal Kashyap w.e.f. 30-4-80 is

justified ? If not to what relief is the concerned workman entitled ?

2. The concerned workman Shyam Lal in his claim statement has alleged that he has worked with the opposite party State Bank of India from May 1979 to April 1980 for a period of 245 days in breaks. He has also given the details of number of days he has worked in the months comprising of the above period. As he was being paid Rs. 6/- per day he has claimed wages at par with regular employee, hence his services were dispensed without complying the provisions of section 25F I.D. Act.

3. Subsequently, the concerned workman was made to work in Agriculture Department in the year 1981-82 on the assurance that his name has been recommended to Head office for regular appointment.

4. The opposite party has filed written statement in which it has been admitted that the concerned workman had worked intermittently from May 79 to October 79 for a period of 90 days the details of which has been given in para 6 of the written statement. However, it is alleged that subsequently he worked on behalf of contractor for 145 days. In other words it is conceded that in all the concerned workman had worked for 155 days. As he had not completed 240 days section 25F I.D. Act did not apply. Various provisions of Desai Award and Sastri Award did not apply to him. It is further alleged that in February 86 the concerned workman was called for interview as he had put in 90 days service for absorption but he was not taken as he was overage at the time of first entry and also because he had submitted a false certificate of belonging to schedule caste whereas he belong to Backward Caste. The management has further alleged that the concerned workman is not covered under the definition of 'workman' as defined under sec.2(s) of I.D. Act, 1947.

5. The concerned workman has filed rejoinder in which the new facts alleged in the written statement have been repudiated.

6. The first point which calls for consideration is as to whether the concerned workman is covered by definition of section 2(s) of I.D. Act. Second point is as to whether the concerned workman had completed 240 days during the period 79-80. The third point is as to whether the concerned workman was over age at the time of entry in service ? If so its effect ?

6A. The first point will be taken up first. The objection of the management is that since the concerned workman was a daily wage worker he does not fall within the definition of section 2(s) of I.D. Act. Merely because the concerned

workman was getting wages daily it would not deprive him of the capacity of workman. It is the nature of work which would determine as to whether the concerned workman is a 'workman' or not. He has stated that he used to carry ledger from one place to other and some time also took dak of the bank. This fact has not been controverted by the management witness. In its absence, I have no hesitation in accepting that the concerned workman was doing the above nature of work which is done by workman covered under sec. 2(s) of I.D. Act. Hence, this objection is overruled and it is held that the concerned workman is a 'workman' u/s 2(s) of I.D. Act and as such his dispute can be referred under sec. 2-(A) of I.D. Act.

7. On the second point both the parties, have filed a number of documents and the concerned workman has also filed his affidavit whereas management has filed affidavit of its manager V.S. Mahendra. The papers filed by the parties are in the nature of certificate to show that the concerned workman had worked for 90 days. As parties are not at variance on this point there is no need to examine these documents.

8. The other point which needs for determination is as to whether the concerned workman had worked for 155 days on behalf of contractor or directly under the management of the bank. As said earlier there is clear cut affidavit of the concerned workman that he had worked throughout under the management of bank. He had never worked under a contractor V.S. Mahendra has denied this fact but in the cross-examination he could not tell the name of the contractor under whom the concerned workman is said to have been worked. Even the name of the contractor has not been given in the written statement.

9. Evidently when the management have alleged that the concerned workman had worked for 155 days on behalf of the concerned contractor it must have been alleged on the basis of record. But the same has not been filed for the reasons best known to them. In this back ground the evidence given by the concerned workman is of better quality than that of management. Further the authorised representative of the management has tried to prove this fact by inviting my attention to joint inspection report dt. 22-4-92. It has been tried to be shown that in the ledger the concerned workman was not paid any pay that shows that he had not worked under the bank. I think this paper instead of helping the management, goes to help the concerned workman. It is admitted that the concerned workman was daily rated worker hence his payments would have been made through voucher. Consequently there was no question of any entry regarding payment of wages in these papers arises. Further

the entries of this joint inspection report go to show that on 7-2-80, 9-4-80 and 15-4-80 the concerned workman was paid some money by way of conveyance. Obviously if the concerned workman during this period was an employee of contractor he would not have been paid these conveyance allowance by the bank. This further goes to show that the concerned workman was working directly under the bank.

10. Thus overruling objection of the auth. representative of the management and believing the above evidence of the concerned workman it is held that the concerned workman has worked directly under the management. In this way in a calender year the concerned workman had worked for 245 days as alleged by him.

11. Admittedly no retrenchment compensation and notice pay has been given to him hence there has been breach of sec. 25F of I.D. Act.

12. There is copy of application for appointment of the concerned workman dt. 10-2-85 in which the concerned workman has given his date of birth as 27-7-54. Hence, in 1979 he was much more than 30 years as he was clearly over age. Still when the management allowed him to work during 79-80 is would mean that they had condoned this factor and as such it could not be a bar for at least complying the provisions of section 25F of I.D. Act,

13. Now the question which arises is as to what relief the concerned workman is entitled. Obviously the concerned workman will not be entitled for back wages as in his cross examination he has concerned that after cessation of his service he has been earning 50-60 rupees per day i.e. he was earning much more than he was getting in the bank. Thus he was gainfully employed. Further it appears that the concerned workman had subsequently applied for being taken under the promise that he would not be asked for back wages. Its reference had been made in the application dt. 16-10-92 before this Tribunal by the authorised representative of the management bank. Thus because that the concerned workman himself had volunteered not to take back wages and also because he was gainfully employed. As said earlier he is not entitled for back wages.

14. Consequently my award is that the concerned workman should be reinstated in service but without back wages and benefit of seniority and other promotions.

15. Workman shall also get Rs. 200/- from the bank as costs of the case.

16. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का. आ. 801.—आंशोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियंत्रकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंशोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औंशोगिक अधिकरण कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/43/89 आई आर बी आई)]
पी. जे. माइकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 801.—In pursuance of Section 11 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI and their workman which was received by the Central Government on the 20-2-96.

[No. L-12012/43/89-IRBI]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B.K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 85 of 1990

In the matter of dispute between :
Sri Ram Vilas Singh,
S/o Sri Seth Singh,
308-C Adarsh Nagar Jajmau,
Kanpur.

AND

Regional Manager,
State Bank of India,
Region III Regional Office,
Mall Road Kanpur.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its notification No. L-12012/43/89-IRBIII dt. 16/19-3-1990, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal—

Whether the action of the State Bank of India, Kanpur in terminating the services of Sri Ram Vilas Singh Ex-guard w.e.f. 8-6-88 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?

2. The concerned workman Ram Vilas Singh joined the opposite party State Bank of India on 15-1-84 at its Chakeri Branch at Kanpur. His services were terminated on 16-1-85. He raised industrial dispute on 67/86 against this oral termination order. After full dressed trial the award was given in the said I.D. Case on 11-1-88 holding that the termination order was bad in law and allowing the concerned workman for reinstatement with full back wages. It was published on 8-2-88. In pursuance of this award the concerned workman joined the services of the opposite party at Chakeri Branch on 7-6-88. However, on the same day i.e. on 8-6-88, the concerned workman's services were terminated against after purporting to observe the provisions of section 25F Industrial Disputes Act, 1947. Feeling aggrieved by this order the concerned workman has raised the instant industrial dispute. He has once again challenged the order of termination by alleging that provisions of Section 25F & 25N and 25G of I.D. Act, has not been complied with, hence the termination is bad in law.

3. The opposite party in his written statement has alleged that the concerned workman was Badli Guard. As in the earlier adjudication, this tribunal has held that there was breach of section 25F I.D. Act. This time the provisions of this section were faithfully complied with in this way there does not remain any lacuna in the termination order. The claim is barred by principles of res judicata. Section 25G of the I.D. Act also does not apply to it.

4. In the rejoinder, the concerned workman has once again reiterated the facts of the claim statement.

5. In the first place it will be seen in the provisions of section 25F I.D. Act have complied with or not. This section goes as under—

Section 25-F of I.D. Act :

No workmen employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer until—

- (a) the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of notice.
- (b) the workman has been paid at the time of retrenchment compensation which shall be equivalent of fifteen days average pay (for every completed year of continuous service) or any part thereof in excess of six month; and

(c) notice in the prescribed manner is served on the appropriate Government (or such authority as may be specified by the appropriate government by notification in the official gazette).

In the first place reasons for retrenchment are to be given, secondly one month's notice pay is to be given and lastly retrenchment compensation is to be paid.

6. The concerned workman in his affidavit has sworn that he has not been paid full retrenchment compensation. In reply the authorised representative of the bank has shown the accounts of the concerned workman by which it appears that the concerned workman has been paid Rs. 1103.80 paisa as notice pay and Rs. 1454.40 paisa as retrenchment compensation for the period given therein. From this I am satisfied that the concerned workman has been paid one month's notice pay and retrenchment compensation. Still the retrenchment order does not show that the reasons have been recorded. In the case Narendra Pal Gahlot versus State of U.P., 1994 Lab IC 2212 (Allahabad), it has been held that recording of reasons for complying the provisions of section 25F I.D. Act is mandatory. In its absence retrenchment will be rendered bad in law. In view of above authority I hold that the retrenchment of the concerned workman by the impugned order is bad in law.

7. I have seen the previous award in I.D. case No. 67/86 between the parties. In this case the tribunal had held that section 25G of I.D. Act, was not available to the concerned workman. I think that this finding will also hold good in this case as well. Hence, validity of termination cannot be challenged on this score. I am further of the view that in this case section 25N of I.D. Act is not attracted specially when it has been held that section 25G is not available to the concerned workman.

8. The authorised representative of the opposite party has also drawn my attention to the fact that the concerned workman was called for interview and his interview had taken place. The concerned workman was not found fit. On the basis of this development, I think that the concerned workman will not be entitled for reinstatement despite the fact that his termination has been found to be vitiating because of non-compliance of section 25F, I.D. Act.

9. Since termination of the concerned workman has been held to be bad and it has been found that he is not entitled for reinstatement, my award is that the concerned workman is entitled for compensation. In the case of O.P. Bhandari versus Tourism Development Corporation 1986 '53' FLR 752, it has been held that where compensation has

to be awarded in lieu of reinstatement the same will be the salary of 3.33 years calculating at the rate of last wages including all emoluments. Concerned workman is also entitled for Rs. 200/- as costs of the case.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1996

का. आ. 802—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय मरकार मैसर्स के सी टी एण्ड मैसर्स डिट्को के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण भुबनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है।

[संख्या पल-38011/6/94 आई आर (विविध)]

बी.एम डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th February, 1996

S.O. 802.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneshwar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. KCT & M/s. DITCO, Paradip and their workmen.

[No. L-38011/6/94-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA BHUBANESHWAR

PRESENT :

Sri P. K. Panigrahi,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 23 of 1995 (Central)

Dated. Bhubaneswar, the 30th December, 1995

BETWEEN

The Management of—
M/s. Karamchand Thapar & Brothers
(Coal sales) Ltd.,
Brabourne Road, Calcutta-700 001;

&

M/s. Doaba Industrial & Trading
Co. Pvt. Ltd., 33, Brabourne Road, 5th Floor,
Calcutta-700 001

First Party
managements

AND

Their workmen represented through Paradip Port & Dock Mazdoor Union, Paradip, Dist : Jagatsinghpur.

.. Second Party-workmen.

APPEARANCES:

Sri Nirmal Bose, Labour Advisor—For M/s. K.C.T. & Bros.

Sti Utsab Basu, Sr. Legal Manager—For M/s. Doaba Industrial & Trading Co. Pvt Ltd.

Sri Y. V. Raju, Vice-President of the Union--- For the Second Party-workmen.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide their Order No. L-38011/6/94-IR-(Misc) dated 16-3-95 have referred for adjudication the following dispute, namely :

"Whether the workmen engaged by M/s. Karamchand Thappar and Brothers (Coal sales Ltd., and M/s. Doaba Industrial & Trading Company Pvt., Ltd., in intra-port transportation work at Paradip Port are entitled to wages and other fringe benefits at par with the dock workers of Paradip Port Trust? If not, to what relief the workmen are entitled?"

2. Out of the two employees named in the reference M/s. Karamchand Thappar and Brothers (Coal sales) Ltd., filed O.J.C. No. 2791/95 challenging the maintainability of the reference whereupon further proceedings in pursuance of the aforesaid reference were stayed by order dated 5-5-95. However, in Misc. case No. 4549 of 1995 which was filed by the Union of India and the Workers' Union concerned the Hon'ble Court by their order No. 6 dated 31-7-95 were pleased to modify the stay order passed earlier with a direction to this Tribunal to register the reference and decide the question of maintainability as a preliminary issue and pass orders as expeditiously as possible. To cut-out delay the parties were also directed to appear before this Tribunal on 14-8-95 without further notice.

3. Written notes of arguments have been filed before this Tribunal by M/s. Karamchand Thappar & Brothers (Coal sales) Ltd. who are the first member of the first party and the Workers' Union. Exhaustive oral arguments were also submitted by the above named parties touching upon the salient legal issues involved in the reference. Mention may be made of the fact that Union of India by whom the dispute has been referred did not enter appearance when the issue of maintainability of the reference was agitated before this Tribunal, though

in the writ petition before the High Court they were a contesting party.

4. In a nut shell, the argument advanced by the management (i.e., first member of the first party) centres round the proposition that the Central Government is not the 'appropriate Government' so far as the present dispute is concerned and therefore, the reference is ab initio incompetent and without jurisdiction.

5. Section 2 of the Industrial Disputes Act so far as may be relevant is extracted hereunder.

"Appropriate Government" means.—(i)***in relation to an industrial dispute concerning a dock labour board established under section 5A of the Dock Workers' (Regulation of Employment) *** * * * * Act, 1948 or a major Port, the Central Government and (ii) in regulation to any other industrial dispute, the State Govt.

6. Law seems to be fairly well settled that under the Industrial Disputes Act several functions are to be performed by the appropriate Government and that it will lead to utter confusion and chaos if it is held that two Governments can be the appropriate Government and therefore, two Governments cannot be the appropriate Government operating in the same field in respect of the same subject matter. To be plain, it is the nature of work performed by the agitating workmen vis-a-vis the broad features of the dispute under reference which alone can determine as to whether the Central Government or the State Government is the appropriate Government.

7. A plain reading of Section (2) of the Industrial Disputes Act makes it clear that Central Government is the appropriate Government only in respect of industrial disputes concerning the dock labour board and/or major Port. Instantly, the dispute does neither relate to Paradip Port nor to the dock labour board. The concerned workmen are neither employees of the Paradip Port nor do they come within the purview of the dock labour board. Indisputably the concerned workmen are employed by certain contractors who are of course appointed by the first member of the first party to transport coal by road and their area of operation is confined between Talcher, that is, the place from where coal is collected and loaded and Paradip where the wharf situates. The wharf means and signifies a stock-yard or landing-stage and no further. All operations commencing from the wharf up to the cargo berth are conducted under the direct control of the Port Authorities through the enlisted workers of the Pool. In short, transportation of raw-materials by road ends at the wharf while internal operations like cargo berth handling and loading etc. literally begin from the wharf. These two functions are different and distinct in all respects. To treat them as parts of one

operation is to make confusion worse confounded. To put it otherwise, jurisdictional issue always refers to a particular stage and not to the entity of a proceeding or function.

8. It has to be noticed that the concerned workmen in the present dispute are admittedly not dock workers but they are workers in the ordinary sense who only claim parity with the dock workers. In order to enter into the prohibited port area a worker has to possess an entry pass, but anybody possessing an entry pass does not necessarily become a dock worker whose legal identity has been well defined. An apt analogy may be drawn from the settled position that anybody discharging functions of any kind, howsoever, trivial or essential, on the railway platform or in an office of the Mining Department is not by all means an employee of the railway department or as the case may be, the Mining Department. Thus, conclusion is inevitable that merely because the concerned workmen are permitted to unload the coal lifted from Talcher at the stock yard of the Port they are not necessarily dock workers. As a logical corollary it follows that the present dispute which involves a claim for parity with the dock workers does not attract application of clause (i) of subsection (a) of Section (2) of the Industrial Disputes Act, but squarely falls within the ambit of clause (ii) thereof. Conversely the present dispute does not relate to the Paradip Port even in a remote sense nor does it concern the dock labour board. The dispute simply arises out of a claim for parity with the dock workers.

9. The next question that arises for consideration is as to who are these workmen. They are workers engaged by certain contractors who under a licence obtained from the State Government perform the transportation work by road from Talcher to Paradip. Those contractors are of course employed by the management, that is, the first member of the first party. What wage the contractors pay to these workmen and whether these workmen are entitled to wages and fringe benefits at par with the dock workers is basically a question for consideration by the State Government. Central Government does not come into the picture, even remotely.

10. The Stevedores function in a different area. The concerned workmen are not appointed by the Stevedores nor do they discharge any function relating to the transportation of cargo between the stock-yard and the cargo berth. In other words, that work is specifically assigned to the enlisted pool workers. Clearly therefore, it is for the State Government to form an opinion whether the claim of the workmen appointed by the contractors for transporting coal from Talcher to Paradip Port for parity with the dock workers is a dispute worthy of being referred to the Tribunal for adjudication. Reference of such a dispute by the Central Government is bound to be incompetent in law.

11. On behalf of the Workers' Union certain decisions are cited such as, AIR 1953 SC 53, AIR 1960 SC 1223 & AIR 1964 SC 1967 in support of the contention that while making a reference no reason need be assigned nor communicated by the appropriate Government, though while refusing to make a reference reasons have to be assigned. Indeed, these decisions to lay down the extent of judicial scrutiny but do not lay down any ratio even by implication that while making a reference no reason need be assigned. Had it been so, the question of subjective satisfaction of the appropriate Government while making a reference would not have been made the subject matter of judicial scrutiny. Section 10(1) of the Industrial Disputes Act by necessary implication requires that before making a reference the appropriate Government must apply its mind to the facts constituting the dispute and form its opinion on the basis of subjective satisfaction as to whether it would be expedient to refer the dispute for adjudication. It is not open to the appropriate Government to consider irrelevant matters on the guise of expediency. Expediency, no doubt, depends upon subjective satisfaction but unguided subjective satisfaction can never be the foundation for expediency. It is emphatically pleaded by management that ever since management started its operation in the field of transportation of coal from Talcher to Paradip, several disputes between the workmen and management have been resolved at the level of the State Government by means of settlements, tripartite or bipartite, as the case may be, and that the Central Government have had no role to play in resolving those disputes. To rebut the above contention there is no pleading by the Central Government before this Tribunal and it is significant to note that though the Central Government appeared before the Hon'ble Court, yet for reasons not known it chose to go ex-parte when the matter was taken-up by this Tribunal despite direction of the Hon'ble Court to the parties to appear before this Tribunal without further notice. Necessarily therefore, this Tribunal is persuaded to draw the conclusion that on the question of maintainability of the present reference the Central Government has no say. In that event, the argument advanced by the workmen that merely because the State Government were taking cognizance of the disputes arising between the management and the workmen from time to time that does not necessarily oust the jurisdiction of the Central Government, does not merit any consideration for the simple reason that such an assertion is not put-forth by the Central Government by whom the reference has been made. The position that both parties had submitted themselves to the jurisdiction of the State Government is not in controversy either. In other words, unless management is equated with the Port Authorities, its workers cannot be treated at par with the dock workers whose status has been legally de-

fined. That seems to be the crux of the dispute and while making the reference the Central Government in the Ministry of Labour appears to have lost sight of that vital aspect.

12. To conclude, the present dispute squarely falls within the purview of the Contract Labour (Regulation & Abolition) Act. Licence for transporting coal by road from Talcher to Paradip is granted by the State Government. The workmen in the instant dispute are in no way concerned with the functions which are discharged by the licensed Stevedores through the enlisted pool workers. In the fitness of things, therefore, it is for the State Government to form an opinion as to whether the concerned workmen's claim for parity with the dock workers could at all be the subject matter of an industrial dispute within the meaning the Section 10(1) of the Industrial Disputes Act. The present reference by the Central Government is incompetent in the eye of law and hence not maintainable.

The Award is passed accordingly.

Dictated & corrected by me.

P. K. PANIGRAHI, Presiding Officer

नई विल्ली, 27 फरवरी, 1996

का.आ. 803.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स स्टैंडर्ड सर्वेयर्स (प्रा.) लिमिटेड के प्रबन्धसंसद के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, मुम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-31011/1/92-प्राई आर (विधिय)]

वी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 27th February, 1996

S.O. 803.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Standard Survey (P) Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-2-96.

[No. L-31011/1/92-IR(Misc)]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/94 of 1993

Employers in relation to the Management of
M/s. Standard Surveyors (P) Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Workmen—Shri J.H. Sawant, Representative

For the Employer—No Appearance

Mumbai, 6th February, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-31011/1/92-IR(Misc.) dated 15-6-93 had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

“Whether the action of the management of M/s. Standard Surveyors Private Limited, Bombay in terminating the services of four workmen on arbitrary seniority list as per Annexure-I & IA without complying the provisions of I.D. Act, 1947 is just, legal and proper ? If not, to what relief are these workmen entitled to ?”

2. The General Secretary of the Union filed a Statement of Claim at Ex-‘3’. He contended that the management of M/s. Standard Surveyors Private Limited displayed seniority list of employees on the notice board. The Union immediately raised objections for the said list as it is arbitrary and the seniority was not maintained properly. The objections were not considered by the management and further it terminated the services of Shri Ashok Choudhary and three other workmen w.e.f. 5-2-91. The Union submitted that under such circumstances the four workmen are entitled to be reinstated in service i.e. from 5-2-91 with full back wages and the consequential benefits.

3. The management opposed the claim by the written statement Ex-‘4’. It is submitted that after displaying the seniority list on the notice board it was forwarded to the Regional Labour Commissioner. It is denied that the seniority list was not properly maintained and the objections of the Union were not considered. It is denied that there was no illegality mala fides or vindictiveness on the part of the management in the matter of publishing the seniority list. It is submitted that Ashok Choudhary and three others were retrenched but not from 5-2-95. In fact they were retrenched from 1-2-91. They were paid all retrench-

ment compensation and notice pay. It is averred that so far as Ashok Choudhary was concerned there was wrong calculation in payment of retrenchment compensation. So his order was revoked and he was retrenched from 1-3-91 and was paid accordingly. It is submitted that all the retrenched employees are now in gainful employment and therefore they are not entitled to any monetary benefit. It is averred that sometime in June 1991 company wanted to engage staff in their Marine Service Section and wrote to the retrenched workmen to see the contractor in case they were interested in their re-employment. But the retrenched staff however did not see the contractor but wrote vague and evasive reply. It is therefore it has to be said that they had no desire to get re-employment. Under such circumstances it is submitted that the reference may be decided accordingly.

4. The issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

ISSUES

1. Whether the action of the mgt. in retrenching the four workmen on arbitrary Seniority List without complying the provisions of the LD. Act of 1947 is justified, legal & Proper ?
2. If not, to what relief these workmen are entitled to ?

REASONS

5. On 19-10-95 the Advocates who were representing the management filed a pursvis Ex-'8' that they are withdrawing their appearances for the management and the concerned management was informed accordingly. Thereafter a notice was issued to the management. The management received it but did not appear in the court, but send a letter at a later stage at Ex-'9' informing that they are not in a position to appear in the court on 29-1-96. On that day instead of hearing the matter the matter was adjourned for today. But today also nobody appeared on behalf of the management. I may mention it here on several occasions the management remained absent.

6. Jay Prakash Sawant filed his affidavit at Ex. '7', and affirmed that the Annexures I & IA attached to the schedule to the present reference are correct and also affirmed the genuineness of the documents produced alongwith the affidavit. There is no cross examination of Jay Prakash as the otherside is absent. Under such circumstances there is no reason why the word of Jay Prakash has to be disbelieved. I find that the seniority list was not properly maintained and the retrenchment of these workers is not proper. In the result I

answer the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

1. The action of the management of M/s. Standard Surveyors (P) Ltd., Bombay in terminating the services of four workmen on Arbitrary seniority list as per Annexures I & IA without complying the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 is not just, legal and proper.
2. The management is directed to reinstate those workers from the date of their retrenchment.
3. The management is directed to treat them with continuity in service and to pay them full back wages deducting the retrenchment compensation and the notice charges which were already paid.
4. No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 फरवरी, 1996

का. आ. 804—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गुवा और माइन आफ मैमर्स आई० आई० एस० सी० ओ० लि० के प्रबन्धतंत्र के सबद्व नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विल औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-2-96 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एल-26011/6/86 बी III (बी)]

बी० एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th February, 1996

S.O. 804.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gua Ore Mine of M/s. IISCO Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th Feb. 1996.

[No. 26011/6/86-D-III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT
DHANBAD

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947

Reference No. 280 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gua Ore Mine of M/s. IISCO. Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri B. B. Pandey, Advocate.

On behalf of the employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Iron ore
Dated, Dhanbad, the 16th February, 1996

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-26011/6/86-D.III.B/IV.B. dated, the 12th October, 1987.

SCHEDULE

“Whether the Management of Gua Ore Mine of M/s. IISCO Ltd. is justified in not changing the working hours of adjustment, levelling etc. of the workmen of their Shipping Dep't. from 12 hours to 8 hours ? If not, to what relief the workmen are entitled ?”

2. The meet the reference stated above the sponsoring union on behalf of the workmen (hereinafter referred to as Union) filed the W.S. and has stated that the concerned workmen of the management of Gua Ore Mines of M/s. IISCO (hereinafter referred to as management) are engaged in working of adjustment, levelling etc. and they were departmentalised for loading, levelling and adjusting previously they were working, under the contractors and this departmentalisation was from 1-4-84. The workmen and the management entered into an agreement where the management proposed to place them on 12 hours duty with an assurance that it would be 8 hours after 6 months. But it has not been done and till now two shifts are going. Each shift constituted of 12 hours which is against law. It is stated further

for the said reason each is to be engaged for 12 hours without getting any Overtime and without any benefit of like nature which is not justified and so the dispute arose for which this present reference is.

3. The management in their W.S.-cum-rejoinder raised a preliminary objection that this is not within the jurisdiction of the Tribunal nor it is an industrial dispute.

4. Further case of the management is that the ore mine is required by the steel plants of the company at Burnpur and those are transported to the company's loading siding by conveyors and the same is stored/dropped into the bunkers. It is stated further that those are loaded in the railway wagons which are used for carrying the ores to the Steel plants. The placement of railway wagons etc. are uncertain and so the workers are engaged in the work as and when the wagons are placed and the railways have fixed loading time of 5 hours for each rake and no rake can be detained beyond 5 hours or 9 hours as the case may be and in case of detention heavy demurrage is required to be paid by the management.

5. It is stated further that 59 loading mazdoors are engaged for such jobs and they are required to clear the railway track under the bunkers of the iron ores including the loading etc. The individual candidate for the time required have been stated in the details in the W.S. and it is stated that after loading of 12 wagons in one batch the loaded wagons are moved out from the loading point to the railway yard and then another batch of empty railway wagons are placed under the bunkers for loading. Thus the workers get rest of 20 minutes after loading of each batch of 12 wagons. It is stated further that the workers are to work by rotation and keep the procedures for loading and work allied to it. For this purpose the workers have been put in two shift and each shift have spread over shift of 12 hours from 8.00 A.M. to 8.00 P.M. and from 8.00 P.M. to 8.00 A.M. and over this point there were circulars from D.G.M.S., Dhanbad and thereby the point raised by reference cannot be disposed of in the manner as stated in their W.S.

6. The workmen in their rejoinder has disputed the preliminary objection and other facts stated in the W.S. of the management and it is added further that no worker remained idle within that 12 hours and they are kept engaged otherwise for a term of 12 hours in a day.

7. In the instant proceeding the scope of adjudication is very short.

8. It is not disputed that the concerned workmen were regularised by the management, under

some settlement in writing with certain terms and conditions and the parties have adduced both oral and documentary evidence.

9. Ext. M-1 is the document which is accepted by both the parties about the terms of appointment benefits to be given by the management to the workmen.

10. From the side of the management para-7 of the said Ext. M-1 has been mentioned where it is stated at clause (c) that the question of fixing the rates of wages on piece-rated basis, distribution of workers and staff in different shifts for all the seven days of working and fixation of their duty hours etc. will be examined and introduced by the Management.

11. This agreement has not been denied by the workmen and at the same time the workmen have not been able to produce any iota of material that it was agreed by the management that the duty hours would be brought to 8 hours after 6 months. Considering the nature of the services we cannot ignore the provision of the Mines Act, 1952 which should be the guidelines for deciding the reference.

12. In this premises let us consider Section 30 of the Mines Act where hours of work above ground have been mentioned. It is stated therein that no adult employed above ground in a mine shall be required or allowed to work for more than 48 hours in a week or for more than 9 hours in any day. It is also stated therein that in a day spread over more than 12 hours, he shall not work for more than 5 hours continuously before he has had an interval for rest of at least half an hour besides the ground mentioned in the proviso.

13. Therefore, in case of failure from the side of the workmen I am not in a position to accept that the working hours should be diminished from 12 hours to 8 hours as it is provided in case of others and as it is urged by the workmen. But we cannot ignore the thing that the duty hour should not exceed 9 hours as per Mines Act vide Section 30 of the said Act and if a workman be asked to remain and keep him ready for duty throughout for 12 hours then virtually the duty hours comes to 12 hours which is against the convention, practice norms and the spirit of Section 30 of the Mines Act.

14. If we interpret the said section i.e. Section 30 of the Mines Act we can summarise in the following manner :—

1. Duty may be spread over more than 12 hours but duty should not exceed 9 hours;
2. But the duty should be confined within 9 hours with a fixed period of rest; and

3. The duty should not exceed 5 hours at a time.

15. As I have gathered from the submission and the evidence on record that within 12 hours the workman would be called as and when they would be required for the work of the management though their work period does not exceed 8 hours. But in that case in my opinion it would be against the natural justice for the reasons that virtually he is to be engaged himself for 12 hours as because the workman is to perform the duty within 12 hours as constituting a shift at any moment when he would be called by the management.

16. Therefore keeping that fact in mind and in view with the background of spirit of Section 30 of the Mines Act and the general convention prevalent in the general mine and Government services we should not forget that being an employee of the management and as they are to deal with under Mines Act we have to construe the spirit of Section 30 for consideration of hours of work above ground in the following manner.

17. The management will be at liberty to obtain work from the workmen or workmen continuously for 5 hours and then he is to give a specific period of rest in specific manner not upon their sweetwill and thereafter remaining period available for duty under Section 30 of the Mines Act would be the hours of duty. It means that his duty hour would be the hours of duty performed excluding the specific period of rest as it is done generally in every mine in different department. For example if a workman is asked to come to report for duty at 8 A.M. then the management will be at liberty to obtain services from him continuously for 5 hours then to give a specific time of rest not less than half an hour and then to report for duty to achieve the work for 9 hours as contemplated in Section 30 of the Mines Act and this thing can be spread over more than 12 hours and in that case rest period would be more than half an hour for computing the remaining part of the actual working hour to complete 9 hours as a whole within that 12 hours and in that case if the management is to increase the shift to achieve their requirement it is the matter of the management to consider it but the workman cannot be asked to remain engaged them for 12 hours making two shifts only for getting the job by the management as and when they would be required.

18. Thus the reference is disposed off in the following manner that the management is not justified to keep engaged the workmen for 12 hours though the demand of the workmen for bringing it to 8 hours is refused or the demand for changing the working hours to 8 hours for adjustment, levelling etc. is not accepted. However the management

will utilise the services of the workmen in the light of the observation made above under Section 30 of the Mines Act as per their convenience for nine hours keeping their rest period fixed & specific and this relief is only granted to the concerned workmen.

Thus this reference is disposed off and the management is directed to implement this award within one month from the date of publication in the guidelines mentioned in para 17 and this is my Award.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई विल्ली 29 फरवरी, 1996

का. आ. 805.—आधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के मैसर्स इम्पात चूना पत्थर खदान, स्टोन अथॉरिटी बाबूपुर, सतना (म०प्र०) के प्रबन्धसंतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधिकारिक अधिकरण, बाबूपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-29012/23/92-प्राईम आर (विविध)]

बी० एम० डेविड, डैस्क्र अधिकारी

New Delhi, the 29th February, 1996

S.O. 805.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Ispat Limestone Quarry SAIL, Satna and their workmen, which was received by the Central Government on the 26-2-1996.

[No. L-29012/23/92-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)

Case Reference No. CGIT/LC(R)(119)1993

BETWEEN

Shri D. P. Pati represented through the General Secretary, Hindustan Steel Lime

Stone Mazdoor Union, 79/10, Krishan Nagar, Satna (MP)

AND

The Manager, Ispat Limestone Quarry, Steel Authority of India Ltd., Raw Material Divn. Rourkela Steel Plant, Babupur, Satna (MP).

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri Brindaban Tiwari.

For Management : Shri R. C. Srivastava, Advocate.

INDUSTRY : Lime Quarry DISTRICT : Satna (MP)

AWARD

Dated : February 1, 1996

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-29012/23/92-IR(Misc.) Dated Nil (received on 22-6-93) for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

क्या प्रबन्धसंत्र इम्पात लाई स्टोन चवारी, बाबूपुर, सतना (म.प.) के प्रबन्धकों द्वारा श्री डी.पी. पति, फोरमैन (इंचार्ज) को अप्रैल 1980 से चार्जमेन/कोरमैन के पद पर लगातार कार्य लिये जाने के पश्चात् संबन्धित पद पर पदोन्नति न दी जाने एवं इस पद पर के वेतनमान का अंतर भुगतान न किये जाने की कार्यवाही व्यायोचित है? यदि नहीं तो संबन्धित कर्मकार किस अनुबोध का हकदार है?

2. Parties were noticed to file their respective statement of claim. Inspite of repeated adjournments workman has not filed the statement of claim. It appears that the workman is not interested in pursuing the case. As such, no dispute award is passed. No order as to costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer